PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 315 ● भिलाई, सोमवार 29 जून 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली पुलिस ने एनकाउंटर के बाद शातिर बदमाश हड्डी को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। आउटर दिल्ली में एनकाउंटर में एक शातिर बदमाश पकड़ा गया है. राज पार्क थाना इलाके में रेलवे लाइन के पास स्पेशल स्टाफ की टीम ने एक वांटेड बदमाश के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया. इस मुठभेड़ में चेन स्नैचिंग की कई वारदातों में शामिल आरोपी चंदन उर्फ हड्डी पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया, जिसके बाद पुलिस ने उसे मौके से ही गिरफ्तार कर लिया. जानकारी के मुताबिक स्पेशल स्टाफ की टीम को सूचना मिली थी कि चेन स्नैचिंग की कई वारदातों में शामिल बदमाश चंदन उर्फ हड्डी इलाके में मौजूद है. सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने राज पार्क रेलवे लाइन के पास आरोपी की घेराबंदी की. पुलिस को देखते ही आरोपी ने मौके से भागने की कोशिश की और पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी. पुलिस ने अपनी सुरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आरोपी के पैर में गोली लग गई.

कर्नाटक के नेशनल हाईवे 63 पर लॉरी ने कार को टक्कर मारी

कोप्पल। कोप्पल जिले में सुबह हुए एक सड़क हादसे में पांच श्रद्धालुओं की मौत हो गई और दो की हालत गंभीर है. यह दुर्घटना में कुकनूर तालुक में नेशनल हाईवे 63 पर हुई. पुलिस के मुताबिक, हावेरी जिले के लोग ओमनी गाड़ी से आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में स्थित प्रसिद्ध तीर्थस्थल मंत्रालयम जा रहे थे. हादसा तब हुआ जब नेशनल हाईवे 63 पर दूसरी तरफ से आ रही एक लॉरी का ड्राइवर वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और वह डिवाइडर पार करके दूसरी तरफ से आ रही ओमनी गाड़ी से टकरा गई. उन्होंने बताया कि इस दुर्घटना में केंचम्मा बालेकाई (35), अमृता कोटियाल (25), रमेश बेल्लरी (45) और प्रवीण बालेकाई (23) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल चिन्मय (30) ने कोप्पल जिला अस्पताल में दम तोड़ दिया. उन्होंने बताया कि हादसे में घायल छह अन्य लोगों को कोप्पल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

29 जून को नई दिल्ली में होगा केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण परिषद का 16वां सम्मेलन

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से 29 जून को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण परिषद का 16वां सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन की अध्यक्षता केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा करेंगे। इस अवसर पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल तथा प्रतापराव जाधव भी उपस्थित रहेंगे। सम्मेलन में विभिन्न राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, संसद सदस्य, केंद्र और राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी, गैर-सरकारी सदस्य तथा स्वास्थ्य क्षेत्र के प्रख्यात विशेषज्ञ भाग लेंगे।

पीएम मोदी को 34वां सर्वोच्च सम्मान

पीएम मोदी को सेशेल्स ने सर्वोच्च सम्मान से नवाजा

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेशेल्स दौरे का आज दूसरा दिन है। आज उन्हें विक्टोरिया स्थित स्टेट हाउस में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद उन्होंने सेशेल्स के राष्ट्रपति डॉक्टर पैट्रिक हर्मिनी के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। फिर प्रधानमंत्री को सेशेल्स के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'गार्जियन ऑफ ब्लू होराइजन' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान प्रधानमंत्री को पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ विकास के क्षेत्र में नेतृत्व करने और विकास को बढ़ावा देने के लिए लिए दिया गया है। बता दें कि, पीएम मोदी को मिला यह 34वां सर्वोच्च सम्मान है। प्रधानमंत्री ने भारत-सेशेल्स साझेदारी को 'स्थिर, मजबूत और दीर्घकालिक' बताते हुए कहा कि दोनों देश मिलकर सफलता की दौड़ जीतेंगे। उन्होंने कहा, सेशेल्स भारत का महत्वपूर्ण समुद्री पड़ोसी और 'विजन महासागर' का प्रमुख साझेदार है। इस साल भारत और सेशेल्स के बीच राजनयिक संबंधों के 50 वर्ष पूरे हो रहे हैं। दोनों देशों के संबंध आपसी विश्वास, लोकतांत्रिक मूल्यों, विविधता के सम्मान और लोगों के गहरे जुड़ाव पर आधारित हैं। वहीं, राष्ट्रपति हर्मिनी ने कहा, भारत सेशेल्स का अटूट मित्र रहा है और हमारे लोग और जीवंत भारतीय प्रवासी समुदाय भी इस भावना का हार्दिक प्रतिफल देते हैं। भारत और सेशेल्स ने 1976 में राजनयिक संबंध स्थापित करने के बाद से घनिष्ठ और पारस्परिक रूप से लाभकारी संबंध साझा किए हैं, जिसमें नई दिल्ली बुनियादी ढांचे, रक्षा, स्वास्थ्य सेवा और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में एक प्रमुख विकास भागीदार बनी हुई है। प्रधानमंत्री मोदी ने 'मेड इन इंडिया' फास्ट पेट्रोल वेसल 'लेस्पवार' को सेशेल्स को सौंपा। उन्होंने कहा, 'फास्ट पेट्रोल वेसल लेस्पवार का सेशेल्स तटरक्षक बल को हस्तांतरण रक्षा और समुद्री सुरक्षा में भारत-सेशेल्स की बढ़ती साझेदारी में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह पोत क्षमता निर्माण की उन पहलों की श्रृंखला में नवीनतम कड़ी है जो सेशेल्स की सुरक्षा प्राथमिकताओं का समर्थन करने और द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को मजबूत करने के लिए भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।' भारतीय सेना की एक परेड टुकड़ी सेशेल्स के 50वें राष्ट्रीय दिवस समारोह में हिस्सा लेगी। प्रधानमंत्री मोदी इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कैप्टन आर्यन एच देवोलेकर के नेतृत्व में असम रेजिमेंट की 32-सदस्यीय टुकड़ी नौसेना की टुकड़ी और सैन्य बैंड के साथ मार्च करेगी। यह भागीदारी दोनों देशों के रणनीतिक संबंधों और सैन्य सहयोग के जरिए हिंद महासागर में शांति, स्थिरता और सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

संयुक्त राष्ट्र में भी हो चुके हैं सम्मानित

वर्ष 2018 में प्रधानमंत्री मोदी को सोल पीस प्राइज से सम्मानित किया गया था, जो वैश्विक सहयोग, समावेशी विकास और सतत आर्थिक प्रगति को बढ़ावा देने के लिए दिया जाता है। इसी वर्ष संयुक्त राष्ट्र ने भी उन्हें प्रतिष्ठित चैंपियंस ऑफ द अर्थ अवॉर्ड प्रदान किया था जो पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में सर्वोच्च वैश्विक सम्मान माना जाता है। सेशेल्स द्वारा दिया गया यह नया सम्मान प्रधानमंत्री मोदी के वैश्विक पर्यावरणीय नेतृत्व और ग्रीन विजन को और अधिक मजबूत मान्यता के रूप में देखा जा रहा है। भारत के पीएम तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर शनिवार को सेशेल्स पहुंचे। जहां राष्ट्रपति हर्मिनी ने उनका औपचारिक स्वागत किया। रविवार को स्टेट हाउस में प्रधानमंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी के बीच द्विपक्षीय वार्ता हुई। पीएम मोदी भारतीय समुदाय की ओर से आयोजित कार्यक्रम में भी शामिल होंगे और सेशेल्स की नेशनल असेंबली को संबोधित करेंगे। जिसके साथ ही वे दुनिया के पहले ऐसे भारतीय प्रधानमंत्री बन जाएंगे जिन्होंने 20 देशों की संसद या नेशनल असेंबली को संबोधित किया है।

अखिलेश यादव का सीएम योगी पर तंज

योगी कई बार अयोध्या गए फिर भी नहीं लगी भनक....

नई दिल्ली/ एजेंसी

अयोध्या में भगवान राम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले पर विपक्ष लगातार सरकार पर हमलावर है। सूबे के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने शनिवार को मुख्यमंत्री योगी पर फिर से हमला बोला। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने सवाल उठाया कि मुख्यमंत्री के बार-बार अयोध्या आने के बावजूद मंदिर में चोरी की उनको कोई जानकारी नहीं मिली। अखिलेश यादव ने राम मंदिर चंदा विवाद को लेकर योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधा। उन्होंने सरकार

पर हमला बोलते हुए कहा कि क्या मुख्यमंत्री अयोध्या के लगातार दौरों का रिकॉर्ड इसलिए बना रहे थे ताकि वहां हो रही चोरियों की निगरानी कर सकें अखिलेश यादव ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि जिनके लिए डोनेशन फर्स्ट है, नेशन नहीं है। मैं कई बार जवाब दे चुका हूं कि केदारेश्वर धाम इटावा में शिव मंदिर का निर्माण पूरा होने के बाद मर्यादा पुरुषोत्तम राम के दर्शन करने जाएंगे, लेकिन सवाल हमारे दर्शन का नहीं है। जो मुख्यमंत्री अयोध्या जाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बना रहे थे वहां पर जाने के बाद भी उन्हें इस बात की जानकारी नहीं मिली। तभी तो कहावत बनी है चिराग तले अंधेरा। कितनी बार गए हैं उसके बाद भी इस बात की खबर नहीं है। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, जनमानस में यह संदेश गया है कि सरकार के पास चंदे की चोरी और दूसरे कई मुद्दों पर कोई जवाब नहीं है।

दीवार ढहने से दो बच्चों की मौत, महिला की हालत गंभीर

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले से एक बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां दीवार ढहने से दो बच्चियों की मौत हो गई और एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। इस घटना से गांव में कोहराम मच गया है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरु कर दी है। यह पूरा मामला नवागढ़ विधानसभा के ग्राम राउरपुर का है। बच्चियों की पहचान वंशिका (11) और राधिका (7) पिता ओमप्रकाश कोशले के रूप में हुई है और घायल महिला की पहचान शशिकला के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि आज दोनों बच्चियां घर के आंगन में थी।

अयोध्या राम मंदिर मामला

सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की जाए-पिनाराई

नई दिल्ली। अयोध्या के राम मंदिर में श्रद्धालुओं के चढ़ावे में कथित वित्तीय अनियमितताओं का मामला अब राष्ट्रीय राजनीति का बड़ा मुद्दा बनता जा रहा है। इस विवाद में अब केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता और सीपीआईएम के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री विजयन भी कूद पड़े हैं। उन्होंने राम मंदिर चढ़ावा मामले की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। फेसबुक पर जारी अपने बयान में विजयन ने आरोपों को बेहद गंभीर बताते हुए कहा कि यह मामला करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था और

धार्मिक भावनाओं से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि जनता को यह जानने का पूरा अधिकार है कि मंदिर निर्माण और संचालन के लिए जुटाए गए चंदे का उपयोग किस प्रकार किया गया। विजयन ने आरोप लगाया कि राजनीतिक लाभ के लिए लोगों की आस्था का इस्तेमाल किया गया।

शर्मिष्ठा मुखर्जी का राहुल पर बड़ा हमला

पार्ट-टाइम राजनीति से नहीं जीत सकते चुनाव-शर्मिष्ठा..

नई दिल्ली/ एजेंसी

पूर्व राष्ट्रपति और कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे दिवंगत प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने पार्टी नेतृत्व और राहुल गांधी की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि कांग्रेस आलाकमान के भीतर अपने बलबूते सरकार बनाने का जज्बा और जोश बिल्कुल गायब दिखाई देता है। आईएएनएस से बातचीत के दौरान उन्होंने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल कुछ बड़े कार्यक्रम जरूर करते हैं, लेकिन उसके बाद वह

अचानक परिदृश्य से गायब हो जाते हैं, जिससे पार्टी को लाभ नहीं मिल पाता है। शर्मिष्ठा मुखर्जी ने कहा कि राजनीति कोई पार्ट-टाइम जॉब नहीं है, बल्कि यह 24 घंटे और 355 दिन का काम है। राहुल गांधी की रणनीति की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि आप दो दिन के लिए आएं, कुछ रैलियां करें, लोगों से मिलें और फिर अचानक गायब हो जाएं। इस ढर्रे से राजनीति नहीं चलाई जा सकती। उन्होंने जोर देकर कहा कि आम चुनावों के अलावा राज्यों में भी लगातार चुनाव होते रहते हैं, इसलिए देश की मुख्य विपक्षी पार्टी को हर वक्त जमीन पर सक्रिय रहना होगा। शर्मिष्ठा मुखर्जी ने कांग्रेस संगठन की जमीनी हकीकत पर बात करते हुए कहा कि उन्होंने खुद कुछ समय तक कांग्रेस में काम किया है।

ट्रैक्टर ट्राली ने बाइक को मारी टक्कर, पिता और पुत्र की मौत

हापुड़। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में तेज रफ्तार ट्रैक्टर ट्राली ने एक बाइक को टक्कर मार दी. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार तेज रफ्तार से आ रही कार से टकराया और कार के नीचे दब गए. कार भी अनियंत्रित होकर हाईवे पर ही पलट गई. बाइक सवार दंपति और 2 बच्चों को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां पिता पुत्र की मौत हो गई. मां बेटे की हालत गंभीर है. मामला थाना हापुड़ देहात क्षेत्र का है. गाजियाबाद के बम्हेटा निवासी (35) विनोद उर्फ बबली पुत्र खेमचंद अपनी पत्नी शालू (30) और बेटे वरुण (7) और प्रियांश (5) के साथ गाजियाबाद की तरफ जा रहे थे.

शेख हसीना ने किया ऐलान

मैं मौत से नहीं डरती इसी साल लौटूंगी बांग्लादेश..

नई दिल्ली/ एजेंसी

बांग्लादेश से निकाले जाने के लगभग दो वर्ष बाद भी पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का आत्मविश्वास बरकरार है. उसी आत्मविश्वास के दम पर बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने निर्वासन में रहते हुए बड़ा दावा किया है कि वह इसी साल अपने देश लौटेंगी. पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ मौत की सजा का फैसला सुनाया जा चुका है, उनकी पार्टी अवामी लीग पर प्रतिबंध है. बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना स्वदेश

लौटना चाहती हैं. पूर्व पीएम हसीना का कहना है कि उन्हें मौत से डर नहीं लगता और वे इसी साल बांग्लादेश वापस लौटेंगी. बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा कि पार्टी की राजनीतिक वापसी किसी सरकार की कृपा पर निर्भर नहीं है. उनके खिलाफ आया फैसला न्याय नहीं बल्कि राजनीतिक बदले की भावना से प्रेरित है. बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना ने अपने देश वापस लौटने का ऐलान किया है. शेख हसीना ने कहा कि न्यायपालिका का इस्तेमाल अवामी लीग को नेतृत्वविहीन करने के लिए किया जा रहा है. साथ ही उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास सफल नहीं होंगे. उन्होंने कहा, 'मुझे मौत का डर नहीं है. वे इसी साल बांग्लादेश वापस लौटेंगी. उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यकों पर हमला तो बांग्लादेश की आजादी पर भी हमला है.

24 घंटे में दूसरी बार दहला ईरान

राष्ट्रपति ट्रंप के निर्देश पर अमेरिकी सेना की भीषण एयरस्ट्राइक

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र में वाशिंगटन और तेहरान के बीच हुआ नाजुक युद्धविराम समझौता अब पूरी तरह से खत्म हो चुका है। रणनीतिक जलमार्ग 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' के पास अमेरिकी हितों और अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक जहाजों पर लगातार हो रहे हमलों से नाराज अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने बेहद आक्रामक रुख अपनाया है। अमेरिकी सेना ने 24 घंटे के भीतर दूसरी बार ईरान की सीमा में घुसकर ताबड़तोड़ हवाई हमले किए हैं। इस नई एयरस्ट्राइक के बाद पूरे मध्य पूर्व में पूर्ण युद्ध जैसी परिस्थितियां बन गई हैं और दोनों देशों के सैन्य तंत्र एक-दूसरे के खिलाफ हाई अलर्ट मोड पर आ गए हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड द्वारा जारी आधिकारिक विलेख के अनुसार, शनिवार तड़के ईरान ने वन-वे अटैक ड्रोन के जरिए पनामा के झंडे वाले एक विशालकाय तेल टैंकर 'एम/टी किकू' को निशाना बनाकर युद्धविराम का सीधा उल्लंघन किया था। यह टैंकर अंतरराष्ट्रीय बाजार के लिए लगभग दो मिलियन बैरल से अधिक कच्चा तेल लेकर होर्मुज जलडमरूमध्य के पास से शांतिपूर्वक गुजर रहा था, तभी इस पर हमला हुआ। सेंटकॉम ने स्पष्ट किया कि शुक्रवार को की गई पहली दंडात्मक कार्रवाई के बाद ईरान को सुधरने और सीजफायर का पालन करने का पूरा मौका दिया गया था, लेकिन उसने तनाव कम करने के बजाय नया हमला कर हालात को और अधिक गंभीर बना दिया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सीधे निर्देश पर अमेरिकी वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने ईरान के भीतर उन

सैन्य कड़ियों को निशाना बनाया जो समुद्री व्यापार में बाधा डाल रही थीं। अमेरिकी हमलों में ईरान के अत्याधुनिक मिलिट्री सर्विलांस इंफ्रास्ट्रक्चर, रणनीतिक कम्युनिकेशन सिस्टम, एयर डिफेंस साइट्स और ड्रोन भंडारण केंद्रों को पूरी तरह मटियामेट कर दिया गया। इसके अलावा, समुद्र में कमर्शियल जहाजों को उड़ाने के लिए इस्तेमाल होने वाली बारूदी सुरंगें बिछाने की क्षमता रखने वाले ईरानी ठिकानों पर भी भारी बमबारी की गई। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी ईरान को साफशब्दों में चेतावनी दी है कि समझौते के प्रति अमेरिका की विधिक निष्ठा को उसकी कमजोरी न समझा जाए और हर हिंसा का मुकाबला दोगुनी ताकत से किया जाएगा। दूसरी तरफ ईरान के सरकारी मीडिया संस्थान 'आईआरआईबी' ने सैन्य सूत्रों के हवाले से पुष्टि की है कि ईरान के दक्षिणी तटीय शहर सिरिक के पास देर रात भारी विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं। शुरुआती रिपोर्टों के मुताबिक, अमेरिकी विमानों द्वारा दागे गए कई प्रोजेक्टाइल सीधे एक दूरसंचार टावर और उसके आसपास के सैन्य रडार ठिकानों से टकराए हैं। हालांकि, ईरान ने अभी तक अपने सैन्य प्रतिष्ठानों को हुए वास्तविक नुकसान का पूरा ब्योरा साझा नहीं किया है। इस भीषण टकराव के बावजूद सेंटकॉम ने दावा किया है कि होर्मुज जलमार्ग से कमर्शियल शिप्स की आवाजाही को सुरक्षित बनाए रखने के लिए अमेरिकी नौसेना के युद्धपोत व्यापारिक जहाजों को लगातार एस्कॉर्ट और गाइड कर रहे हैं

कुवैत और बहरीन में 8 सैन्य ठिकाने तबाह

पश्चिम एशिया में जारी महायुद्ध के बीच अमेरिका और ईरान के बीच तनाव अपने चरम पर पहुंच गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दिए गए कड़े अल्टीमेटम के कुछ ही घंटों के भीतर ईरान की कुलीन सेना 'इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स' ने अमेरिकी सेना के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी और सीधी सैन्य कार्रवाई को अंजाम दिया है। आईआरजीसी ने आधिकारिक बयान जारी कर दावा किया है कि उसने खाड़ी देशों में स्थित अमेरिका के 8 सबसे महत्वपूर्ण सैन्य ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइलों और आत्मघाती ड्रोन से भीषण हमला कर उन्हें पूरी तरह तबाह कर दिया है। इस आपत्तिजनक हमले के बाद पूरे क्षेत्र में संघर्ष-विराम (सीजफायर) की उम्मीदें पूरी तरह खत्म हो गई हैं। इस बेहद गोपनीय और बड़े ऑपरेशन को शनिवार और रविवार की दरमियानी रात करीब 2 बजे से 3 बजे के बीच अंजाम दिया गया।

मुक्तिधाम उन्नयन हेतु 62.95 लाख से कराया जाएगा विकास कार्य

बलौदाबाजार। नगर में विकास कार्यों के क्रम में वार्ड क्रमांक 17 स्थित मुक्तिधाम के जीर्णोद्धार व निर्माण कार्य प्रारंभ किए जाने निविदा की कार्यवाही पूर्ण करने उपरांत नगरपालिका अध्यक्ष अशोक जैन एवम पार्षद शेख सलमान सहित अन्य पार्षदगणों की उपस्थिति में पूजा अर्चना कर श्रीफल तोड़कर भूमिपूजन किया गया। इस भूमिपूजन के अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता दिनेश यदु, नगरपालिका के सभापति जितेंद्र डड़सेना, हरजीत सिंह सलूजा(राजू), आदित्य गुप्ता,पार्षद रेखा पोषण पटेल, अंजनी गोविंद पात्रे, श्रद्धा मनीष वर्मा, रोहित साहू,सुरेश घृतलहरे, गौतम सिंह चौहान, डिगेश्वरी रविन्द्र नामदेव, मंजू फेकर, ममता सुभाष राव,के द्वारा भी पूजा अर्चना की गई, सभी अतिथियों का पार्षद शेख सलमान ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत अभिनन्दन किया गया। मुक्तिधाम में विकास कार्यों के लिए नगर पालिका द्वारा कार्य योजना तैयार कर शासन को प्रेषित किया गया था, नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन ने मुक्तिधाम में विकास कार्य कराए जाने के कार्य को प्राथमिकता देते हुए कैबिनेट मंत्री एवं विधायक टंकराम वर्मा से चर्चा कर आवश्यक मांगे रखी गई थी, जिसे प्राथमिकता देते हुए कार्य हेतु राशि उपलब्ध कराई गई । भूमिपूजन के अवसर पर अध्यक्ष अशोक जैन ने कार्य की आवश्यकता व प्राथमिकता को ध्यान में रखकर कार्य की आवश्यकता के अनुरूप सभी महत्वपूर्ण कार्य कराए जाने की बात कही गई, वरिष्ठ अधिवक्ता एवम पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश यदु ने भी कार्य के प्रति नगरपालिका अध्यक्ष सहित पार्षदगणों के प्रति किये जा रहे विकास कार्यों की सराहना करते हुए सभी को बधाई दी गई। राज्य प्रवर्तित योजना मद अंतर्गत वार्ड क्रमांक 17 में मुक्तिधाम उन्नयन कार्य हेतु 62.95 लाख की स्वीकृति प्रदान कर कार्य प्रारंभ किए जाने पूजन किया गया। व अतिशीघ्र कार्य शुरू किए जाने निर्देशित किया गया है। नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत मुक्ति धाम के उन्नयन कार्य हेतु प्राप्त राशि से विकास के कार्य निष्पादित किया जाना है, यह मांग पूर्ण किए जाने पर उपमुख्यमंत्री एवं नगरी प्रशासन मंत्री अरुण साव जी व कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा जी के मिले सहयोग के लिए नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन एवं वार्ड पार्षद सलमान शेख सहित नगर पालिका के सभी पार्षद गणों ने हृदय से धन्यवाद वह आभार व्यक्त किया है। मोक्ष धाम में व्याप्त कमी को देखते हुए समय-समय पर विकास कार्य कराए जाने की आवश्यकता नगर वासियों एवम वार्ड वासियों के द्वारा मुक्ति धाम में कमी महसूस की जाती रही है, जिसे संज्ञान में लेकर नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन ने उन्नयन कार्य कराए जाने मुक्तिधाम कार्य योजना प्रस्तावित किया गया था, मुक्तिधाम के उन्नयन हेतु कराए जाने वाले कार्यों में मुक्तिधाम सौन्दर्यीकरण कार्य के साथ, पौधा रोपण (पाम ट्री) पेयजल हेतु बोर्ड खनन, दरवाजे,पेवर ब्लॉक, कंपाउंड वॉल (दीवार) प्रतीक्षालय, प्रसाधन, शौचालय, म्यूरल आर्ट (सीमेंट कला) प्रकाश व्यवस्था,गेट निर्माण, कचरा संग्रहण हेतु डस्टबिन व बैठेने की व्यवस्था हेतु कुर्सी लगाई जाएगी। मुक्तिधाम उन्नयन का कार्य अत्यंत आवश्यक था जब अंतिम यात्रा में अपने परिजनों की अंत्येष्टि कार्य में लोग आते हैं तो मुक्तिधाम में संसाधनों की कमी के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता था, प्रतीक्षालय व बैठक व्यवस्था के साथ प्रसाधन व पेयजल की कमी महसूस होती थी, नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन के प्रयासों से उक्त कार्य कराए जाने से लोगों को राहत मिलेगी साथ ही सर्व सुविधायुक्त मुक्ति धाम में अंतिम संस्कार की क्रिया भी सुविधापूर्ण ढंग से परिजनों के द्वारा पूर्ण की जा सकेगी वार्ड वासियों एवं नगर वासियों ने इस कार्य के प्रति नगर पालिका परिषद के संवेदनशीलता की सराहना करते हुए परिषद के प्रति आभार व्यक्त किया गया। भूमिपूजन के अवसर पर पार्षद प्रतिनिधि सुभाष राव, गोविंद पात्रे, अधिवक्ता पोषण पटेल, रविन्द्र नामदेव, रवि फेकर, वार्ड के नागरिक एवं नगरपालिका के उप अभियंता रितेश स्थापक, कमलेश्वरी जायसवाल, गुरुदत्त तिवारी व अन्य कर्मचारी गण उपस्थित थे।

पीएम किसान सम्मान निधि से खेती की तैयारी करने में मिलती है सुविधा : राजेश कुमार

बलौदाबाजार। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना किसानों के लिए आर्थिक संबल बनकर खेती-किसानी को नई मजबूती प्रदान कर रही है। जिले के ग्राम टोनाटार निवासी किसान राजेश कुमार घृतलहरे, जो लगभग दो एकड़ भूमि पर खेती करते हैं, इस योजना का नियमित लाभ प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत उन्हें प्रत्येक चार माह में 2 हजार रुपये की सहायता राशि प्राप्त होती है, जिससे वर्षभर में कुल 6 हजार रुपये सम्मान निधि के रूप में मिलते हैं। इस राशि का उपयोग वे खेती से जुड़े आवश्यक कार्यों, बीज, खाद एवं अन्य कृषि जरूरतों को पूरा करने में करते हैं, जिससे आर्थिक बोझ कम होता है और समय पर खेती की तैयारी करने में सुविधा मिलती है। राजेश कुमार घृतलहरे ने बताया कि खरीफसीजन शुरू होने से पहले सम्मान निधि की राशि मिल जाने से खेती की तैयारियां आसान हो जाती हैं और आवश्यक कृषि सामग्री समय पर उपलब्ध हो जाती है। उन्होंने कहा कि यह योजना छोटे एवं सीमांत किसानों के लिए काफी लाभकारी सिद्ध हो रही है। योजना से मिल रही इस आर्थिक सहायता के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार की यह पहल किसानों के हित में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे खेती को नई मजबूती मिल रही है।

अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस पर विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

तिल्दा-नेवरा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देशन और राज्य विधिक सेवा बिलासपुर के तत्वाधान में अध्यक्ष जिला न्यायाधीश महोदय बलराम प्रसाद वर्मा के निर्देशानुसार एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अविनाश कुमार दुबे जिला रायपुर के मार्गदर्शन में एवं अध्यक्ष भावेश कुमार वट्टी तालुका विधिक सेवा समिति न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी व्यवहार न्यायालय तिल्दा के आदेश अनुसार पैरालिगल वालंटियर द्वारा मजदूरों के बीच कार्य स्थल पर जाकर नालसा एवं सालसा के विभिन्न योजनाओं की जानकारी दिया गया जिसमें मुख्य रूप से नालसा के डान योजना 2025 के अंतर्गत लोगों को नशीली दवाओं के सेवन से होने वाले शारीरिक और मानसिक नुकसान सामाजिक समस्याओं और इसके अवैध व्यापार के बारे में जागरूक किया , मजदूरों को नशा से दूर रहने एवं स्वच्छ जीवन जीने की अपील की, नालसा जागृति योजना 2025 के अंतर्गत वरिष्ठ जन अधिकार सशक्तिकरण और गरिमा एवं नालसा की निःशुल्क विधिक सहायता के पात्र व्यक्ति के बारे में जानकारी प्रदान किया गया, नालसा संगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए कानूनी सेवाएं योजना 2025 ,इसके अलावा माता-पिता भरण पोषण अधिनियम 2007 योजना नालसा टोल फ्री नंबर 15100, साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 , महिला हेल्पलाइन नंबर 1091, की जानकारी पैरालिगल वॉलिंटियर रिखी राम वर्मा द्वारा मजदूरों के बीच उसके कार्य स्थल जाकर ग्राम टोहड़ा में विधिक साक्षरता शिविर के माध्यम से जानकारी प्रदान किया गया।

आपातकाल के 51 वर्ष लोकतंत्र की हत्या का काला दिन

भाटापारा। 25 जून 1975 को कांग्रेस सरकार द्वारा देश पर थोपे गए आपातकाल के 51 वर्ष पूर्ण होने पर भारतीय जनता पार्टी, बलौदाबाजार-भाटापारा द्वारा आज भाजपा कार्यालय भाटापारा में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने आपातकाल को स्वतंत्र भारत के इतिहास का सबसे कलंकित अध्याय बताते हुए कांग्रेस की लोकतंत्र विरोधी मानसिकता पर तीखा प्रहार किया।

नेताओं ने कहा कि 21 महीने तक चला आपातकाल का दौर भारत के संविधान, न्यायपालिका, मीडिया और नागरिक अधिकारों की हत्या का दौर था। आज 51 साल बाद भी देश उस अंधकार युग की पीड़ा को नहीं भूला है। किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष आलोक ठाकुर ने कहा कि आपातकाल कांग्रेस की तानाशाही और लोकतंत्र विरोधी सोच का सबसे बड़ा प्रमाण है। 25 जून 1975 की आधी रात को जब देश सो रहा था, तब इंदिरा सरकार ने संविधान को ताक पर रखकर लोकतंत्र का गला घोंट दिया।

लाखों किसानों, मजदूरों और आम नागरिकों के मौलिक अधिकार छीन लिए गए। बोलने की आजादी, विरोध करने का हक - सब कुछ कुचल दिया गया। आज जो कांग्रेस संविधान बचाने की बात करती है, उसी ने 1975 में संविधान के हर पन्ने को रौंदा था। 21 महीने तक महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक संकट ने हर गांव, हर घर को तोड़ा। भाजपा का एक-एक कार्यकर्ता घर-घर जाकर नई पीढ़ी को कांग्रेस के इस काले सच से अवगत करा रहा है, ताकि कोई फिर लोकतंत्र को बंधक बनाने की हिम्मत न कर सके। भाजपा नेता शिवरतन शर्मा ने कहा कि 25 जून 1975 की वो काली रात देश के लोकतांत्रिक इतिहास पर सबसे बड़ा धब्बा है। 12 जून 1975 को इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति जगमोहन लाल सिन्हा ने इंदिरा गांधी को चुनाव में सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग का दोषी ठहराया था। उनका रायबरेली से निर्वाचन रद्द कर दिया गया, 6 साल तक चुनाव लड़ने पर रोक लगा दी गई और सार्वजनिक पद के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया। गुजरात विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस के विरुद्ध प्रचंड जनादेश आया था।

अपनी सत्ता बचाने के लिए बौखलाई इंदिरा गांधी ने आधी रात को मंत्रिमंडल को भी अंधेरे में रखकर आपातकाल थोप दिया। उसके बाद देश में जो हुआ वो किसी तानाशाह से कम नहीं था। अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, मोरारजी देसाई, जयप्रकाश नारायण समेत लाखों विपक्षी नेताओं और कार्यकर्ताओं को आधी रात को सोते से उठाकर मीसा और डीआईआर के तहत जेलों में ठूंस दिया गया। प्रेस सेंसरशिप लागू कर दी गई। अखबारों के दफ्तरों में बिजली काट दी जाती थी, संपादकों को खबरें छापने से पहले सरकार से अनुमति लेनी पड़ती थी। अखबारों में बड़े-बड़े खाली कॉलम छपते थे। न्यायपालिका को नियंत्रित कर दिया गया। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठतम न्यायाधीशों को दरकिनार कर अपने पसंदीदा व्यक्ति को मुख्य न्यायाधीश बनाया गया।

दिल्ली के तुर्कमान गेट पर सौंदर्यीकरण के नाम पर हजारों गरीबों के घर बुलडोजर से उजाड़ दिए गए। विदेशी मीडिया तक ने इंदिरा सरकार को तानाशाह करार दिया था। भाजपा जिला अध्यक्ष आनंद यादव ने कहा कि कांग्रेस का असली चेहरा आपातकाल में पूरी तरह बेनकाब हो गया था। आज जो राहुल गांधी संविधान की प्रति लेकर घूमते हैं, उनकी दादी इंदिरा गांधी ने 42वें संविधान संशोधन के जरिए संविधान की आत्मा को ही बदलने की कोशिश की थी। 'सेक्युलर' और 'समाजवादी' शब्द जबरन प्रस्तावना में जोड़कर संसद की शक्तियों का दुरुपयोग किया गया था। इस वार्ता में भाजपा नेता राकेश तिवारी, ओम प्रकाश देवांगन, नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा, द्वारका वर्मा भी मुख्य रूप से उपस्थित रहे और उन्होंने भी आपातकाल को लोकतंत्र पर सबसे बड़ा हमला बताया।

आपात काल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा, मीसाबंदी जगदीश लाल उबबेजा का किया गया सम्मान

सरायपाली। 25 जून को लोकतंत्र के काले दिवस के अवसर पर मीसाबंदी जगदीश लाल उपोबेजा के निवास पर पहुंचकर उनका शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा के लिए किए गए उनके संघर्ष, त्याग एवं योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें नमन किया गया। यह सम्मान कार्यक्रम भारतीय जनता पार्टी के महासमुंद जिला अध्यक्ष आदरणीय ऐत राम साहू के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले मीसाबंदियों का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बना रहेगा। मुख्य रूप से विपिन उबवैजा , स्वर्ण सिंह सलूजा , धनेश नायक , प्रदीप साहू , प्रखर अग्रवाल , मनोज दास , शिवा जायसवाल अमन ठाकुर , अमित प्रधान जी, टिंकू बाग , हिमांशु साहू , सुभाष चंद्र साहू उपस्थित रहे।

सी.सी. रोड टॉप निर्माण से सूदढ़ होगी आधारभूत अधोसंरचना

नागरिकों को मिलेगा बेहतर आवागमन का लाभ

भाटापारा। नगर पालिका परिषद भाटापारा द्वारा नगर के विभिन्न वार्डों में आधारभूत अधोसंरचना को सुदृढ़ करने एवं नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विकास कार्यों का क्रम निरंतर जारी है। इसी कड़ी में महासती वार्ड स्थित झूलेलाल मंदिर परिसर में लगभग 7.98 लाख की लागत से स्वीकृत विभिन्न सी.सी. रोड टॉप निर्माण कार्यों का विधिवत पूजा-अर्चना एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भूमिपूजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर गोपाल राजा बागवानी के घर से कन्हैया के घर तक, गोपाल नागवानी के घर से राकेश वनवानी के घर तक तथा रावलदास के घर से नारायण बजाज के घर तक सी.सी. रोड टॉप निर्माण कार्यों का शुभारंभ किया गया। इन निर्माण कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्र में बेहतर सड़क सुविधा, सुगम एवं सुरक्षित आवागमन तथा नागरिकों को आवश्यक मूलभूत सुविधाओं का लाभ मिलेगा। यह कार्य महासती वार्ड के विकास एवं जनसुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा। कार्यक्रम के दौरान महासती वार्ड के पार्षद प्रतिनिधि मनीष पंजवानी के जन्मदिन के अवसर पर पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा एवं नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा सहित उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने केक काटकर उन्हें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं तथा उनके स्वस्थ, सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस आत्मीय अवसर ने कार्यक्रम को और अधिक उत्साहपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण बना दिया। पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की विकासोन्मुखी सोच के अनुरूप नगर के प्रत्येक वार्ड में आधारभूत सुविधाओं का निरंतर विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सड़क, नाली, पेयजल एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं का सुदृढ़ होना किसी भी नगर के समग्र विकास की आधारशिला है। महासती वार्ड में प्रारंभ हुए ये निर्माण कार्य निश्चित रूप से नागरिकों के दैनिक जीवन को अधिक सुविधाजनक बनाएंगे और क्षेत्र के विकास को नई गति प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि जनता के विश्वास और सहयोग से विकास का यह अभियान भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगा। नगर पालिका परिषद भाटापारा के अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने कहा कि नगर परिषद का संकल्प प्रत्येक वार्ड में समान रूप से विकास कार्य कर नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि महासती वार्ड में लगभग 7.98 लाख की लागत से प्रारंभ हुए सी.सी. रोड टॉप निर्माण कार्य क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही आवश्यकता को पूरा करेंगे और आवागमन को अधिक सुरक्षित एवं सुगम बनाएंगे। उन्होंने कहा कि नगर पालिका परिषद विकास की इस गति को निरंतर बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रत्येक वार्ड की आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाओं को प्राथमिकता के साथ स्वीकृत एवं पूर्ण कराया जा रहा है। क्षेत्रवासियों के सहयोग, विश्वास एवं सहभागिता से भाटापारा को एक स्वच्छ, सुव्यवस्थित, आधुनिक एवं सुविधासंपन्न नगर बनाने का प्रयास सतत जारी रहेगा। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित नागरिकों ने विकास कार्यों के शुभारंभ पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए नगर पालिका परिषद एवं जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया तथा विश्वास जताया कि भविष्य में भी इसी प्रकार जनहित के विकास कार्य निरंतर होते रहेंगे। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता राकेश तिवारी भाजपा पिछड़ा वर्ग प्रदेश मंत्री आशीष जायसवाल सभापति गोविंद पटेल, मनीष मिश्रा, कुंजराम कोशले,पार्षद पुष्पा मांनीष पंजवानी श्रेणिक गोलछा,बंटी टंडन शुभम राजपूत एल्डरमैन रूपेश तिवाड़ी राजा कामनानी मधु सोनी भीषम गुरयानी चंद्रपाल तनवानी नितिन भोजवानी कन्हैया चैनानी हारून खान गोपाल नागवानी देवेश गुप्ता काके थदवनी चंद्रकला साय रागिनी डोंडे, तनुजा घृतलहरे एवं समस्त वार्डवासी मौजूद रहे।

प्रशासन लाचार, रेत घाटों पर दिन-रात अवैध उत्खनन, खनिज विभाग व स्थानीय प्रशासन लाचार

गरियाबंद। जिला मुख्यालय से करीब 227 किलोमीटर दूर देवभोग से लगे तेलनदी निष्ठिगुड़ा कर्चिया सेंदमुडा करलागुडा गाड़ाघाट सितलिजोर पूर्णापानी सहित अन्य रेत घाट से रेत की अवैध रेत निकासी बदस्तूर जारी है सिर्फ अगर करलागुडा रेत घाट की बात करे तो इस घाट से रोजाना सौ से अधिक ट्रिप टैक्टर से रेत निकला जाता हैं इसी तरह तेलनदी और निष्ठिगुड़ा घाट से भी दिन भर में 150 से अधिक ट्रिप रेत उत्खनन हो रहा है साथ ही पुरनापानी गाढ़ाघाट से हाईवा के ज़रिए रेत उत्खनन किया जा रहा है और इस अवैध रेत उत्खनन से वाकिफ़ प्रशासन खनिज अधिकारी सहित पूरा प्रशासनिक अमला कार्यवाही की जगह मुखदर्शक बना हुआ है मतलब सेटिंग और संरक्षण के बीच लगातार खनिज संपदा का दोहन किया जा रहा है जबकि ऐसे अवैध रेत निकासी से सरकार को हर महीना लाखो रुपए की नुकसान उठानी पड़ रही है आपको यह जानकर आश्चर्य होगा नवपदस्थ खनिज विभाग अधिकारियों द्वारा अब एक भी ऐसे कोई बड़ी कार्यवाही को अंजाम नहीं दिया है जिससे अवैध उत्खनन पर नकेल कसा जा सके शायद यही वजह है कि दिनों दिन रेत खनन की मात्रा अलग अलग रेत घाट पर बढ़ती जा रही हैं पर्यावरण गाइड लाइन अनुसार नदी का कटाव रोकने नदी के प्राकृतिक प्रवाह को बनाए रखने और जैव विविधता की रक्षा के अलावा जलीय जीवों का संरक्षण जैसे अन्य दिशा निर्देशों का परिपालन करते हुए कागज पर बीते 10 जून से अधिकृत पूरनापानी घाट बंद हो लेकिन पूरनापानी के साथ उल्लेखित रेत घाटों से भी रेत की निकासी जोरो से हो रही है और यह अवैध रेत उत्खनन कोई चोरी छुपे नहीं बल्कि एसडीएम कार्यालय तहसील कार्यालय सहित अन्य विभाग अधिकारियों के नजरो से होकर गुज़र रही हैं बाबजूद इसके रोजाना घाट से रेत की दोहन करने वाले अधिकांश टैक्टर प्रशासन की कार्यवाही से दुर है और कार्यवाही की मांग जब भी उठती हैं तो 127 किलोमीटर दूर बैठे खनिज अधिकारी स्थानीय अधिकारी पर ढकेल देते हैं तो दूसरी ओर शिकायत का इंतजार किया जाता है मतलब ना रेत घाट की दोहन की चिंता है और ना सरकार की आर्थिक नुकसान से अवैध रेत निकासी से पंचायतों में बनी सड़कों की हालत खराब -: रेत की अवैध निकासी से सिर्फ राजस्व को नहीं बल्कि पंचायतों में बनाए सरपंच सचिव द्वारा सड़क को भी हो रहा है ऐसे रोहनागुड़ा पंचायत में 2 माह पहले बनाई गई लाखों की लागत से सड़क रेत से भरे ओवरलोड ट्रैक्टर और हाइवा लगातार आवाजाही करते हैं जिससे सीसी रोड पर दरार आने के साथ साथ सड़कें टूट रही हैं तथा गड्ढों में बदलती जा रही हैं इससे ग्रामीणों किसानों स्कूली बच्चों और एंबुलेंस जैसी आवश्यक सेवाओं को आने-जाने में कठिनाई होती है धूल शोर और दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है रोहनागुड़ा सरपंच परमानंद नागेश का कहना है करलागुड़ा रेत घाट से करीब करीब 20 टैक्टर रोज रेत निकासी में होते है उनमें से 8 से 10 टैक्टर तो ऐसे हैं जो दिन रात रेत उत्खनन करते है ऐसे में रोजाना सौ से भी अधिक टैक्टर से रेत उत्खनन होता है कहीं कहीं तो काफ़ी ज़्यादा रेत भरा होता हैं और इस ओवरलोडिंग के चलते 2 माह पहले बनाई गई सड़क पर दरार पड़ रही हैं जिसके मद्देनजर रेत माफ़ियाओ को समझाईश देने की बात कही है अन्यथा कार्यवाही के पत्राचार करने का भी इशारा किया। 4 घाट से हर दिन सरकार को 1 लाख 50 हज़ार नुकसान -: ज़वाबदेही अधिकारियों के सेटिंग होने और रेत माफ़ियाओ को संरक्षण देने से राज्य सरकार को किस हद राजस्व नुक़सान होता हैं यह महज़ पुरनापानी करलागूड़ा तेलनदी निष्टि गुड़ा रेत घाट से समझा जा सकता है करलागुड़ा रेत घाट से कम से कम दिन भर में सौ ट्रिप रेत निकासी करते हैं और 500 रुपय रायल्टी के हिसाब से लिया जाए तो रोजना 50 हज़ार का नुक़सान और निष्ठिगुड़ा और तेल नदी में 150 ट्रिप टैक्टर की बात करे तो 75 हजार साथ ही पूरनापानी और गाड़ाघाट से 6 ट्रिप हाइवा का अगर रायल्टी देखें तो मोटा मोटा 30 हजार रुपए माना जाता है इस हिसाब से इन चार रेत घाट से ही सरकार को 1 लाख 50 हजार से अधिक राशि का राजस्व नुकसान उठाना पड़ता जबकि सेंडमुड़ा कर्चिया जैसे कई रेत घाट और है।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा के डीएनए में हिंसा और नफरत–रायपुर में अलका लांबा का बड़ा बयान

रायपुर। महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा गुरुवार शाम रायपुर पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने राजीव भवन में मीडिया से बातचीत करते हुए भारतीय जनता पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस महात्मा गांधी के विचारों वाली पार्टी है, जो सत्य और अहिंसा में विश्वास करती है, जबकि भाजपा की राजनीति नफरत और हिंसा पर आधारित है।अलका लांबा ने महिला आरक्षण के मुद्दे पर कहा कि स्थानीय निकायों में महिलाओं को आरक्षण मिलने के बाद बड़ी संख्या में महिलाएं पंच, सरपंच और जनप्रतिनिधि बनकर अपने क्षेत्रों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि अब विधानसभा, लोकसभा और राज्यसभा में भी महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि महिला कांग्रेस महंगाई, महिला सुरक्षा और आरक्षण जैसे मुद्दों को लेकर लगातार संघर्ष कर रही है। साथ ही दावा किया कि हाल ही में हजारों महिलाओं ने ऑनलाइन माध्यम से कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की है, जो संगठन के विस्तार और महिलाओं के बढ़ते समर्थन का संकेत है। शिक्षा के मुद्दे पर भाजपा को घेरते हुए अलका लांबा ने कहा कि शिक्षा का राजनीतिकरण नहीं होना चाहिए।

शहरी सुविधाओं के रखरखाव हेतु निकायों को 22.06 करोड़ रुपए की आपात सहायता

रायपुर। राज्य के नगरीय क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के रखरखाव एवं आवश्यक मरम्मत कार्यों को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने प्रदेश के सभी नगरीय निकायों को कुल 22 करोड़ 6 लाख रुपए की आपात निधि उपलब्ध कराई है। विभागीय संचालनालय ने उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव के निर्देशानुसार यह राशि संबंधित निकायों को हस्तांतरित कर दी है।यह अनुदान वित्तीय वर्ष 2026–27 की पहली तिमाही (अप्रैल से जून) के लिए स्वीकृत किया गया है। विभाग का उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में नागरिक सुविधाओं से जुड़े रखरखाव कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करना तथा आवश्यक सेवाओं की निरंतरता बनाए रखना है।विभाग द्वारा जारी राशि में प्रदेश के 14 नगर निगमों को सबसे अधिक 13 करोड़ 76 लाख रुपए प्रदान किए गए हैं। इसके अलावा 56 नगर पालिकाओं को 5 करोड़ 18 लाख रुपए तथा 124 नगर पंचायतों को 3 करोड़ 66 लाख रुपए की आपात निधि जारी की गई है।अधिकारियों के अनुसार इस राशि का उपयोग सड़कों, नालियों, प्रकाश व्यवस्था, जल निकासी तंत्र, सार्वजनिक परिसंपत्तियों और अन्य आवश्यक नागरिक सुविधाओं के रखरखाव एवं मरम्मत कार्यों में किया जाएगा।

रायपुर में अवैध शराब बिक्री पर कार्रवाई: 160 पौवा अंग्रेजी शराब के साथ युवक गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर में अवैध शराब बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना गंज पुलिस ने एक युवक को बड़ी मात्रा में अंग्रेजी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 160 पौवा स्पेशल गोवा व्हिस्की और बिक्री की नगद राशि बरामद की गई है। पुलिस कमिश्नरेट रायपुर के मध्य जोन के पुलिस उपायुक्त उमेश प्रसाद गुप्ता, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त तारकेश्वर पटेल तथा सहायक पुलिस आयुक्त दीपक मिश्रा के निर्देश पर अवैध शराब कारोबारियों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 25 जून को पुलिस को सूचना मिली कि गंजपारा स्थित बांसटाल पानी टंकी के पास एक व्यक्ति अवैध रूप से शराब बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहा है। सूचना के आधार पर थाना गंज पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और संदेही युवक को घेराबंदी कर पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम आकाश बेसरा (26 वर्ष) निवासी उड़ीसा बस्ती, गुढ़ियारी, रायपुर बताया। तलाशी के दौरान उसके पास मौजूद जामुनी रंग के बैग से बड़ी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद हुई। पुलिस द्वारा शराब रखने और बिक्री संबंधी वैध दस्तावेज मांगे जाने पर आरोपी कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका।

तेजी से जारी है बागबहार कोतबा सड़क का निर्माण कार्य

रायपुर। जिले के बागबहार–कोतबा मार्ग को बेहतर एवं सुरक्षित आवागमन के लिए चौड़ा और मजबूत बनाने का कार्य तेजी से प्रगति पर है। इस महत्वाकांक्षी सड़क परियोजना के लिए राज्य शासन द्वारा 39.76 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। निर्माण कार्य निर्धारित समय–सीमा के अनुसार जारी है और विभाग द्वारा इसे शीघ्र पूर्ण कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग संभाग पत्थलगांव ने बताया कि बागबहार–कोतबा मार्ग के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य के लिए 30 सितम्बर 2025 को ठेकेदार मेसर्स अभय कंस्ट्रक्शन, जशपुर को कार्यादेश जारी किया गया था। निर्माण कार्य पूर्ण करने की समय–सीमा अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है। वर्तमान में निर्माण एजेंसी द्वारा लगभग 10 किलोमीटर लंबाई में सबग्रेड स्तर तक चौड़ीकरण का कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाने वाले ही भविष्य का नेतृत्व करेंगे : वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी

एआई से डरने की नहीं, उसे अवसर में बदलने की है जरूरत

■ वित्त मंत्री ने मैक कॉलेज के राष्ट्रीय सम्मेलन में युवाओं से कहा– बदलती तकनीक के अनुरूप स्वयं को करें तैयार

रायपुर/ संवाददाता

वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल कॉलेज (एमएआईसी) द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर युवाओं का आह्वान किया कि वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और नई तकनीकों से भयभीत होने के बजाय उन्हें अपने भविष्य के निर्माण का सबसे बड़ा अवसर मानें। अपने संबोधन में मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि आज पूरी दुनिया तेजी से ज्ञान, तकनीक और नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रही है। भारत का स्वर्णिम इतिहास भी ज्ञान, शिक्षा और नवाचार की नींव पर खड़ा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत लगभग 1600 वर्षों तक विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था इसलिए रहा क्योंकि यहां शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार को सर्वोच्च स्थान दिया गया। मंत्री श्री चौधरी ने युवाओं से कहा कि आज दुनिया के सबसे सफल उद्योगपति और उद्यमी वे हैं जिन्होंने नए विचारों और नवाचार के बल पर अपनी पहचान बनाई है। एलन मस्क, एनवीडिया और एप्पल जैसी कंपनियों का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि आज तकनीक की शक्ति इतनी बड़ी हो चुकी है कि कई टेक्नोलॉजी कंपनियों का मूल्यांकन अनेक देशों की अर्थव्यवस्था से भी अधिक है। इसलिए युवाओं को समय रहते तकनीकी परिवर्तन को समझकर स्वयं को उसके अनुरूप तैयार करना होगा। वित्त मंत्री ने कहा कि जो एआई को अपनाएगा वही भविष्य का नेतृत्व करेगा। जो इससे दूर भागेगा, वह प्रतिस्पर्धा में पीछे रह जाएगा। उन्होंने कहा कि हर तकनीकी परिवर्तन चुनौतियां लेकर आता है, लेकिन वही परिवर्तन नए अवसर भी पैदा

करता है। आवश्यकता इस बात की है कि युवा इन अवसरों का लाभ उठाएं।उन्होंने कहा कि एआई कई कार्यों को सरल बना सकता है, लेकिन मानवीय संवेदनशीलता, करुणा और मानवीय स्पर्श का विकल्प कभी नहीं बन सकता। इसलिए युवाओं को ऐसे क्षेत्रों में भी आगे बढ़ना चाहिए जहां मानवीय मूल्यों की महत्वपूर्ण भूमिका है, जैसे स्वास्थ्य सेवाएं, नर्सिंग और अन्य सेवा क्षेत्र। मंत्री श्री चौधरी ने युवाओं से आग्रह किया कि वे केवल नौकरी तलाशने तक सीमित न रहें, बल्कि नवाचार और उद्यमिता की दिशा में भी आगे बढ़ें तथा विश्वस्तरीय स्टार्टअप और तकनीकी कंपनियां स्थापित करने का लक्ष्य रखें। उन्होंने कहा कि भारतीय युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है और पूरी दुनिया में भारतीय तकनीकी नेतृत्व का लोहा माना जाता है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत @2047 के विजन से प्रेरित होकर छत्तीसगढ़ सरकार भी मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ अंजोर विजन @2047 पर कार्य कर रही है। इस दिशा में नवा रायपुर को उभरते तकनीकी और नवाचार केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां सेमीकंडक्टर यूनिट, एआई डाटा सेंटर तथा ट्रिपल आईटी में अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाओं सहित अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर तेजी से कार्य हो रहा है।कार्यक्रम के अंत में वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल कॉलेज प्रबंधन, आयोजकों एवं सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को भविष्य की चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि छत्तीसगढ़ के युवा नवाचार और तकनीक के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेंगे।

टपकते छत और सांप–बिच्छू के डर से मिली अब मुक्ति...

■ पीएम आवास योजना से तोंदे राम का पक्का मकान का सपना हुआ साकार

रायपुर। संवाददाता

केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं किस तरह अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के जीवन में उजाला ला रही हैं, इसकी एक सुखद तस्वीर छिंदगढ़ विकासखंड के ग्राम रेड्डीपाल में देखने को मिली है। प्रधानमंत्री आवास योजना(ग्रामीण) ने तोंदे राम और उनके परिवार को कच्चे और टपकते घर की सालों पुरानी पीड़ा से मुक्ति दिलाकर एक सुरक्षित और पक्के आशियाने का उपहार दिया है।ग्राम पंचायत बकुलाघाट के आश्रित ग्राम रेड्डीपाल में रहने वाले तोंदे राम पहाड़ी कोरवा एक बेहद सामान्य और मेहनतकश व्यक्ति हैं। उनके परिवार में दो बच्चे हैं, जिनका भरण–पोषण वे खेती–बाड़ी और एक छोटी सी किराना दुकान चलाकर करते हैं। सीमित आय के कारण उनका परिवार लंबे समय से एक कच्चे मकान में रहने को मजबूर था। तोंदे राम बताते हैं कि उनके पुराने कच्चे घर की छत बारिश के दिनों में टपकती थी, जिससे पूरे परिवार को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। हर साल घर को सुरक्षित रखने के लिए उन्हें लिपाई–पुताई और मरम्मत में अपनी गाढ़ी कमाई का एक हिस्सा और समय खर्च करना पड़ता था। पक्का मकान बनाना उनके लिए एक ऐसा सपना था, जो उनकी आर्थिक स्थिति के कारण नामुमकिन सा लगता था।ऐसे मुसीबत के समय में प्रधानमंत्री आवास योजना उनके लिए वरदान बनकर आई। योजना के तहत तोंदे राम पदामी को पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के द्वारा पक्का आवास स्वीकृत हुआ। वर्तमान में उनका पक्का घर बनकर तैयार है। वह अपने परिवार के साथ इस पक्के पीएम आवास में निवास कर रहे हैं। अब उन्हें बारिश में छत टपकने और सांप बिच्छू का डर नहीं है। तोंदे राम की यह खुशी और उनके चेहरे का संतोष इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

वेतन लेकर घर लौट रही युवती से मोबाइल और नकदी की लूट, बाइक सवार फरार

रायपुर। शहर में लूटपाट की एक वारदात सामने आई है। वेतन लेकर घर लौट रही एक युवती से बाइक सवार दो अज्ञात बदमाश मोबाइल फोन और नकदी छीनकर फरार हो गए। घटना सीएसईबी चौकी क्षेत्र की है। जानकारी के अनुसार, चिमनीभट्ठा निवासी नेहा पांडेय (24) पावर हाउस रोड स्थित श्रीराम वस्त्रालय में काम करती है। 22 जून की रात करीब 9.50 बजे वह वेतन लेकर पैदल अपने घर लौट रही थी। इसी दौरान एक्सिस बैंक के पास मेन रोड पर दो युवक मोटरसाइकिल से पहुंचे और झपट्टा मारकर उसका मोबाइल फोन छीन लिया। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसके वीवो कंपनी के मोबाइल फोन के साथ वेतन की 9,840 रुपये की राशि भी रखी हुई थी।

महिला स्वावलंबन और पुनर्वास व्यवस्था का किया निरीक्षण......

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने बच्चों के बीच बैठकर पढ़ी एबीसीडी

रायपुर/ संवाददाता

महिला एवं बाल विकास एवं समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने शुक्रवार को सुकमा जिले के एक दिवसीय प्रवास के दौरान विभिन्न विभागीय संस्थानों का निरीक्षण कर जमीनी स्तर पर संचालित योजनाओं और व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने बच्चों के पोषण, शिक्षा, महिला स्वावलंबन और आत्मसमर्पित युवाओं के पुनर्वास को राज्य सरकार की प्राथमिकता बताते हुए संबंधित अधिकारियों को योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। दौरे की शुरुआत आंगनबाड़ी केंद्र रोकेल

और पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) से हुई। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने बच्चों के बीच फर्श पर बैठकर उनसे आत्मीय संवाद किया। उन्होंने बच्चों से एबीसीडी और पहाड़े सुने, उनकी पढ़ाई, स्वास्थ्य और दैनिक गतिविधियों की जानकारी ली तथा उन्हें फल और चॉकलेट वितरित कर उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर उन्होंने परिसर में पौधारोपण भी किया और निर्देश दिए कि प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पोषण और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। एनआरसी में उन्होंने कुपोषित बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण भोजन एवं बेहतर देखभाल सुनिश्चित करने तथा अधिक से अधिक जरूरतमंद बच्चों को केंद्र तक लाने पर विशेष जोर दिया।इसके बाद मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कुम्हाररास स्थित इमली प्रसंस्करण केंद्र का निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री अमित कुमार ने उन्हें केंद्र की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि यहां स्व–सहायता समूहों की लगभग 60 महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराया गया है

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन सेंटर से की एक शिकायत पर मिली पेंशन की सुविधा

■ समयबद्ध कार्रवाई से दिव्यांग पेंशन योजना का लाभ हुआ सुनिश्चित

रायपुर। संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 प्रदेशवासियों की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी मंच बनकर सामने आई है। हेल्पलाइन के माध्यम से दर्ज शिकायतों पर तत्परता से कार्रवाई कर पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाया जा रहा है।इसी क्रम में जशपुर जिले के पत्थलगांव विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत घरजियाबथान निवासी श्री योगेश यादव ने अपनी 65 प्रतिशत दिव्यांग पुत्री चांदनी यादव को सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत दिव्यांग पेंशन का लाभ नहीं मिलने की शिकायत मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 में दर्ज कराई थी। शिकायत प्राप्त होते ही जनपद पंचायत पत्थलगांव एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी कार्यालय ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पंचायत सचिव के माध्यम से आवेदन एवं आवश्यक दस्तावेज प्राप्त कर प्रकरण की जांच की गई। जांच में चांदनी यादव को दिव्यांग पेंशन योजना के लिए पात्र पाया गया, जिसके बाद उनकी पेंशन स्वीकृत करने की प्रक्रिया पूरी कर दी गई। अब चांदनी यादव को सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के अंतर्गत नियमित रूप से पेंशन का लाभ प्राप्त होगा। निर्धारित समय–सीमा में शिकायत का सफल निराकरण कर प्रकरण का निस्तारण किया गया।चांदनी के पिता श्री योगेश यादव ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 की सराहना करते हुए कहा कि यह व्यवस्था आम नागरिकों के लिए अत्यंत उपयोगी और भरोसेमंद साबित हो रही है। उन्होंने अपनी पुत्री को समय पर न्याय एवं योजना का लाभ दिलाने के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय तथा जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 के माध्यम से प्रदेश के नागरिक अपनी शिकायतें दर्ज कराने के साथ–साथ सुझाव एवं फीडबैक भी साझा कर सकते हैं। हेल्पलाइन को व्हाट्सएप प्लेटफॉर्म से भी जोड़ा गया है, जिससे नागरिक आसानी से अपनी समस्याएं शासन तक पहुंचा सकते हैं।

वित्तीय नियमों के नाम पर फाइलों को अटकाना और आवश्यक कार्यों को रोकना कतई बर्दाश्त नहीं –महापौर

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर में विकास कार्यों को गति देने और प्रशासनिक कार्यप्रणाली को चुस्त–दुरुस्त बनाने के लिए महापौर मीनल चौबे ने आडिटरो को बुलाकर स्पष्ट निर्देश दिए हैं । निगम में नव–नियुक्त ऑडिटर द्वारा भुगतानों और फाइलों के ऑडिट में की जा रही अत्यधिक देरी और लापरवाही को लेकर महापौर ने कार्यप्रणाली में तत्काल सुधार करने के सख्त निर्देश दिए हैं । बैठक में महापौर मीनल चौबे ने सीधे शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि वित्तीय अनुशासन और नियमों के तहत ऑडिट करने पर किसी को कोई आपत्ति नहीं है। ऑडिटर नियमों की जांच 100 बार करें, यह उनका अधिकार है; लेकिन ऑडिट के नाम पर फाइलों को कई–कई दिनों तक दबाकर बैठना और नगर निगम के जरूरी कामों को रोकना पूरी तरह से अनुचित है।महापौर ने अत्यंत नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि ऑडिटर के इस ढीले रवैये के कारण जहां एक ओर शहर के विकास कार्य करने वाले ठेकेदार भुगतानों के लिए परेशान हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर डीजल जैसे अत्यंत आवश्यक और आकस्मिक खर्चों की फाइलें भी चार–चार दिनों तक लंबित रखी जा रही हैं। यदि डीजल की आपूर्ति प्रभावित होती है, तो इसका सीधा असर शहर की सफाई, पानी और अन्य आवश्यक नागरिक सेवाओं पर पड़ेगा, जिसे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जैविक सब्जी के उत्पादन और एप्पल की खेती से बनाई नई पहचान....

■ इससे उन्हें बेहतर मूल्य मिलने के साथ जैविक उत्पादों के प्रति लोगों का विश्वास भी बढ़ा है

रायपुर/ संवाददाता

नगर पंचायत मल्हार के प्रगतिशील किसान श्री जदुनंदन वर्मा ने जैविक खेती और नवाचार के दम पर अपनी अलग पहचान बनाई है। वे एक एकड़ में जैविक सब्जियों की खेती कर सालाना लगभग दो लाख रुपये की आमदनी अर्जित कर रहे हैं। वहीं आधा एकड़ में जैविक एप्पल की खेती कर उन्होंने क्षेत्र के किसानों के लिए एक नया उदाहरण प्रस्तुत किया है। पिछले लगभग दस वर्षों से वे पूरी तरह जैविक पद्धति से खेती कर रहे हैं। उनकी सफलता अन्य किसानों को भी जैविक खेती अपनाने के लिए प्रेरित कर रही है। श्री जदुनंदन वर्मा बताते हैं कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से मिट्टी की उर्वरता, पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसी सोच के साथ उन्होंने जैविक खेती को अपनाया। वे गोबर की खाद, वर्मी कम्पोस्ट, जीवामृत तथा अन्य जैविक संसाधनों का उपयोग कर खेती करते हैं। इससे उत्पादन लागत में कमी आई है, फसलों की गुणवत्ता में सुधार हुआ है और मिट्टी की उर्वरता भी लगातार बढ़ी है। श्री जदुनंदन वर्मा ने लगभग साढ़े तीन वर्ष पहले आधा एकड़ भूमि में जैविक एप्पल के पौधे लगाए थे। पिछले दो वर्षों से उन्हें एप्पल का उत्पादन मिल रहा है। उनके खेत में तैयार होने वाले जैविक एप्पल की मांग इतनी बढ़ गई है कि ग्राहक स्वयं उनके खेत पहुंचकर फल खरीदकर ले जाते हैं। इससे उन्हें बेहतर मूल्य मिलने के साथ जैविक उत्पादों के प्रति लोगों का विश्वास भी बढ़ा है।जदुनंदन को कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों से जैविक खाद निर्माण, जैविक कीट एवं रोग प्रबंधन तथा उन्नत कृषि तकनीकों की जानकारी मिली, जिसका लाभ उनकी खेती में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। साथ ही उन्हें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ भी नियमित रूप से मिल रहा है, जिससे खेती की लागत कम करने में सहायता मिलती है। जदुनंदन वर्मा का मानना है कि जैविक खेती किसानों की आय बढ़ाने के साथ–साथ मिट्टी, पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा का भी प्रभावी माध्यम है। उनकी सफलता यह साबित करती है कि नवाचार, वैज्ञानिक मार्गदर्शन और सरकारी योजनाओं का समुचित लाभ लेकर खेती को लाभकारी और टिकाऊ बनाया जा सकता है।

जलीय कृषि बीमा जागरूकता कार्यशाला संपन्न

जोखिमों से होने वाली क्षति की भरपाई के लिए जलीय कृषि बीमा योजना मत्स्य पालकों के लिए अत्यंत उपयोगी

■ मत्स्य पालकों को दी गई योजनाओं एवं बीमा लाभों की जानकारी

रायपुर/ संवाददाता

राष्ट्रीय मात्स्यिकी कृषि विकास बोर्ड (एनएफडीबी) एवं मत्स्य पालन विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के संयुक्त तत्वावधान में प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि योजना अंतर्गत जलीय कृषि बीमा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन राजधानी रायपुर के सिविल लाइन स्थित न्यू सर्किट हाउस में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राज्य के मत्स्य पालकों को जलीय कृषि बीमा योजना की जानकारी प्रदान करना तथा उन्हें प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि योजना के विभिन्न लाभों से अवगत

कराना था। कार्यक्रम में रायपुर सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों से 200 से अधिक मत्स्य पालकों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला का शुभारंभ छत्तीसगढ़ मछुआ कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष डॉ. लखन लाल धीवर द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने मत्स्य पालन क्षेत्र के सतत् विकास में बीमा सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्राकृतिक आपदाओं एवं अन्य जोखिमों से होने वाली क्षति की भरपाई के लिए जलीय कृषि बीमा योजना मत्स्य पालकों के लिए अत्यंत उपयोगी है। कार्यक्रम में मत्स्य पालन विभाग के संचालक श्री एन.एस. नाग ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि योजना के माध्यम से मत्स्य पालकों की आय में वृद्धि, आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा तथा जोखिम प्रबंधन को सुदृढ़ करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने उपस्थित मत्स्य पालकों को जलीय कृषि बीमा योजना का लाभ लेने हेतु प्रेरित किया।राष्ट्रीय मात्स्यिकी कृषि विकास बोर्ड के बीमा विशेषज्ञ श्री मो. इफ्तिखार हुसैन ने जलीय कृषि बीमा योजना के प्रावधानों, पात्रता एवं लाभों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत प्रत्येक मत्स्य पालक को 1.00 हेक्टेयर जलक्षेत्र तक बीमा कराने पर एक बार प्रीमियम राशि का 40 प्रतिशत प्रोत्साहन अनुदान प्रदान किया जाता है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं महिला हितग्राहियों को अतिरिक्त 10 प्रतिशत प्रोत्साहन राशि का लाभ भी दिया जाता है।

संपादकीय

दोषियों को न्याय के कठघरे में लाया जाए

हिंदू समाज में मंदिर आस्था के केंद्र होते हैं, वहां लोग मानसिक शांति और सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। साथ ही वहां स्वेच्छा से धन या अन्य सामग्री दान करते हैं, ताकि उसका इस्तेमाल धार्मिक कार्यों में किया जा सके।श्रद्धालु इस विश्वास के साथ मंदिर में दान करते हैं कि इस राशि को खर्च करते वक्त पूरी पारदर्शिता बरती जाएगी। मगर इस दान राशि में ही अगर हेरफेर होने लगे, तो इसे लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ नहीं, तो और क्या कहा जाएगा। दोषियों को न्याय के कटघरे में खड़ा जरूर किया जाए।मसला जब अयोध्या में राम मंदिर से जुड़ा हो, तो मामला और भी संवेदनशील एवं गंभीर हो जाता है। राज्य सरकार ने इस मामले की जांच के लिए विशेष दल (एसआइटी) गठित किया है, जिसने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट मुख्य सचिव (गृह) को सौंप दी है।खबरों के मुताबिक, रिपोर्ट में दान राशि और कीमती सामान के प्रबंधन में कमियों का जिक्र करते हुए प्राथमिकी दर्ज करने की सिफारिश की गई है। इससे स्पष्ट है कि मंदिर के वित्तीय मामले में कुछ तो हेरफेर हुआ है, जिसकी गहन जांच की जरूरत है।गौरतलब है कि प्रदेश सरकार ने राम मंदिर ट्रस्ट के वित्तीय प्रबंधन और दान राशि से संबंधित आरोपों की जांच के लिए 13 जून को तीन सदस्यीय विशेष जांच दल का गठन किया था। सरकार का दावा था कि एसआइटी की जांच में 'दूध का दूध और पानी का पानी' हो जाएगा।अब एसआइटी ने अपनी प्रारंभिक जांच रिपोर्ट सरकार को सौंप दी है, मगर उसे सार्वजनिक नहीं किया गया है। जांच दल के अधिकारियों का कहना है कि यह गोपनीय रिपोर्ट है और इसे मीडिया से साझा नहीं किया जा सकता है। ऐसे में अब सरकार के दावों और उसकी मंशा पर भी सवाल उठने लगे हैं।अगर जांच के दौरान मंदिर की दान राशि में किसी तरह की गड़बड़ी पाई गई है, तो उसे सार्वजनिक क्यों नहीं किया जा रहा है? जिन श्रदालुओं ने राम मंदिर में राशि या कीमती सामान दान किया है, क्या उन्हें यह जानने का हक नहीं है कि उसका इस्तेमाल कहां हुआ? अगर मंदिर के वित्तीय प्रबंधन में किसी तरह का हेरफेर कर लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ होता है, तो इसके लिए जवाबदेही किसकी है? अयोध्या स्थित राम मंदिर में हर साल देश-विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालु पूजा-अर्चना करने आते हैं और वहां करोड़ों रुपए का चढ़ावा चढ़ता है। ऐसे में दान राशि में गड़बड़ी से इस तीर्थ स्थल की छवि को भी नुकसान पहुंचेगा। एक सवाल यह भी उठ रहा है कि अमूमन किसी मामले में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद जांच प्रकिया शुरू की जाती है, लेकिन इस मामले में पहले जांच की गई और अब एसआइटी ने प्राथमिकी दर्ज करने की सिफारिश की है।विपक्षी दलों का कहना है कि जब तब इस मामले में प्राथमिकी दर्ज नहीं की जाती है, तब तक कोई भी जांच बिना तीर के कमान जैसी है।

लखनऊ के अलीगंज स्थित एक कोचिंग सेंटर में लगी आग में 15 छात्रों की दर्दनाक मौत उस व्यवस्था के चेहरे से नकाब हटाने वाली त्रासदी है, जो वर्षों से भ्रष्टाचार, लापरवाही और प्रशासनिक उदासीनता के सहारे चल रही है। जिन बच्चों को उनके माता-पिता बेहतर भविष्य के सपने लेकर कोचिंग भेजते हैं, वे यदि धुएं से भरे कमरों, बंद दरवाजों और अवैध निर्माणों के बीच दम तोड़ दें तो उसे केवल हादसा कहना सच्चाई से मुंह मोड़ना होगा। यह उन परिस्थितियों में हुई मौत है, जिसे रोका जा सकता था, टाला जा सकता था और जिसकी जिम्मेदारी तय की जा सकती है।

व्यवस्था की चिता पर जलते सपने, आखिर कब रुकेगा मौत का कारोबार?

(योगेश कुमार गोयल)

उपहार सिनेमा अग्निकांड को लगभग तीन दशक बीत चुके हैं। उस घटना में बंद निकास द्वारों के कारण 59 लोगों की मौत हुई थी। देश ने उस समय कड़े कानूनों और सख्त निगरानी की मांग की थी। लेकिन क्या वास्तव में कुछ बदला? यदि बदला होता तो मुंडका, अनाज मंडी, करोल बाग, मालवीय नगर और लखनऊ जैसी घटनाएं दोहराई नहीं जाती।

लखनऊ के अलीगंज स्थित एक कोचिंग सेंटर में लगी आग में 15 छात्रों की दर्दनाक मौत उस व्यवस्था के चेहरे से नकाब हटाने वाली त्रासदी है, जो वर्षों से भ्रष्टाचार, लापरवाही और प्रशासनिक उदासीनता के सहारे चल रही है। जिन बच्चों को उनके माता-पिता बेहतर भविष्य के सपने लेकर कोचिंग भेजते हैं, वे यदि धुएं से भरे कमरों, बंद दरवाजों और अवैध निर्माणों के बीच दम तोड़ दें तो उसे केवल हादसा कहना सच्चाई से मुंह मोड़ना होगा। यह उन परिस्थितियों में हुई मौत है, जिसे रोका जा सकता था, टाला जा सकता था और जिसकी जिम्मेदारी तय की जा सकती है। इसलिए यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या यह वास्तव में हादसा था या फिर भ्रष्ट व्यवस्था द्वारा किया गया एक सुनियोजित प्रशासनिक हत्याकांड? घटना के विवरण किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को झकझोर देने के लिए पर्याप्त हैं। आग लगने के बाद छात्र जान बचाने के लिए इधर-उधर भागे।

कुछ तीसरी मंजिल से नीचे कूद गए, कुछ बाथरूम में छिप गए, यह सोचकर कि शायद वहां धुएं से बच सकेंगे लेकिन दम घुटने से उनकी मौत हो गई। यह दृश्य किसी युद्ध या प्राकृतिक आपदा का नहीं बल्कि उस इमारत का दृश्य था, जिसे नियमों की अनदेखी कर व्यावसायिक लाभ कमाने के लिए तैयार किया गया था। जहां पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं थे, जहां फायर सेफ्टी मानकों का पालन नहीं हुआ और जहां छात्रों की सुरक्षा से अधिक महत्व मुनाफे को दिया गया।

कुछ ही समय पहले दिल्ली के मालवीय नगर में भी भीषण आग ने 21 लोगों की जान ले ली थी। उससे पहले मुंडका, अनाज मंडी, करोल बाग, अलीपुर और उपहार सिनेमा जैसे अनेक अग्निकांड देश देख चुका है। हर बार जांच में लगभग एक जैसी बातें सामने आती हैं, अवैध निर्माण, बंद निकास मार्ग, फायर एनओसी का अभाव, क्षमता से अधिक लोगों की मौजूदगी, प्रशासनिक अनदेखी और भ्रष्टाचार। यदि हर बार कारण एक जैसे हैं तो फिर इन घटनाओं को दुर्घटना नहीं बल्कि व्यवस्था की विफलता का परिणाम माना जाना चाहिए। लखनऊ अग्निकांड की प्रारंभिक जांच ने कई गंभीर सवाल खड़े किए हैं। जिस इमारत में कोचिंग सेंटर चल रहा था, वहां स्वीकृत नक्शे के विपरीत निर्माण किया गया था। सेटबैक क्षेत्र तक को कवर कर लिया गया था। नीचे पेट शॉप और गेमिंग जोन संचालित हो रहे थे जबकि ऊपर कोचिंग सेंटर और लाइब्रेरी चल रही थी। एक ही इमारत में अलग-अलग व्यावसायिक गतिविधियों का ऐसा मिश्रण सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत खतरनाक माना जाता है। सबसे गंभीर तथ्य यह सामने आया कि जिस रास्ते से छात्रों को बाहर निकलना था, वह प्रभावी रूप से बंद था। ऐसे में आग लगने के बाद उनके पास बचने का कोई विकल्प नहीं बचा। यह केवल तकनीकी गलती नहीं बल्कि मानव जीवन के प्रति घोर उपेक्षा का उदाहरण है।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि ऐसी इमारतें अस्तित्व में आती कैसे हैं? क्या नगर निगम, विकास प्राधिकरण, फायर विभाग, बिजली विभाग और स्थानीय प्रशासन को इसकी जानकारी नहीं होती? कोई भी अवैध निर्माण रातों-रात खड़ा नहीं हो जाता। उसकी नींव पड़ती है, दीवारें खड़ी होती हैं, मंजिलें बनती हैं, बिजली-पानी के कनेक्शन दिए जाते हैं और फिर वहां व्यावसायिक गतिविधियां शुरू हो जाती हैं। इस पूरी प्रक्रिया में अनेक विभाग शामिल होते हैं। सच्चाई यही है कि भ्रष्टाचार और मिलीभगत की जड़ें इतनी गहरी हैं कि नियम केवल फाइलों में रह जाते हैं जबकि जमीन पर अवैधता का साम्राज्य खड़ा हो जाता है। देश का शहरी विकास मॉडल भी इस समस्या के लिए कम जिम्मेदार नहीं है। आज अधिकांश शहरों में अधिक से अधिक लाभ कमाने की होड़ लगी हुई है। बिल्डर अतिरिक्त मंजिलें जोड़ देते हैं, सेटबैक क्षेत्र को कवर कर लेते हैं, बेसमेंट का उपयोग अवैध व्यावसायिक गतिविधियों के लिए करते हैं और आपातकालीन निकास को स्टोर रूम में बदल देते हैं। बदले में कुछ अधिकारियों की जेबें गर्म हो जाती हैं और फाइलों में सब कुछ वैध दिखाई देने लगता है। नतीजा यह होता है कि एक पूरी इमारत धीरे-धीरे मौत के जाल में बदल जाती है और किसी दिन एक चिंगारी सैंकड़ों परिवारों की खुशियां छीन लेती है।

उपहार सिनेमा अग्निकांड को लगभग तीन दशक बीत चुके हैं। उस घटना में बंद निकास द्वारों के कारण 59 लोगों की मौत हुई थी। देश ने उस समय कड़े कानूनों और सख्त निगरानी की मांग की थी। लेकिन क्या वास्तव में कुछ बदला? यदि बदला होता तो मुंडका, अनाज मंडी, करोल बाग, मालवीय नगर और लखनऊ जैसी घटनाएं दोहराई नहीं जाती। हर बड़े हादसे के बाद जांच समितियां बनती हैं, मुआवजे घोषित होते हैं, कुछ अधिकारियों को निलंबित कर दिया जाता है और मीडिया में कुछ दिनों तक बहस चलती है। फिर मामला धीरे-धीरे ठंडा पड़ जाता है और व्यवस्था अगले हादसे का इंतजार करने लगती है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि आज भी देश के लगभग हर शहर में हजारों ऐसी इमारतें मौजूद हैं, जो किसी भी समय अग्निकांड का केंद्र बन सकती हैं। संकरी गलियों में बनी बहुमंजिला इमारतें, बिना वेंटिलेशन के कोचिंग सेंटर, अवैध रूप से संचालित फैक्ट्रियां, बेसमेंट में चल रहे व्यवसाय, बंद खिड़कियां और एकमात्र निकास मार्ग, ये सभी भविष्य की त्रासदियों के संकेत हैं। कई स्थानों पर फायर सेफ्टी उपकरण केवल दिखावे के लिए लगाए जाते हैं। उनकी समय-समय पर जांच नहीं होती। आपातकालीन निकास मार्ग कागजों में तो मौजूद रहते हैं लेकिन वास्तविकता में ताले या सामान से बंद मिलते हैं। ऐसे में आग लगने पर लोग आग से कम और धुएं से अधिक मरते हैं।

लखनऊ में बाथरूम में छिपे छात्रों की दम घुटने से हुई मौतें इस बात का प्रमाण हैं कि उन्हें बाहर निकलने का कोई सुरक्षित रास्ता नहीं मिला। यदि पर्याप्त निकास द्वार होते, यदि सुरक्षा मानकों का पालन किया गया होता, यदि नियमित निरीक्षण हुए होते और यदि संबंधित विभागों ने समय रहते कार्रवाई की होती तो संभव है कि ये सभी जिंदगियां बचाई जा सकती थी। इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि इन मौतों के पीछे केवल आग नहीं बल्कि प्रशासनिक विफलता, भ्रष्टाचार और जवाबदेही का अभाव भी जिम्मेदार है। अब समय केवल संवेदना व्यक्त करने का नहीं है। देश को एक कठोर और निर्णायक नीति की आवश्यकता है। सभी व्यावसायिक इमारतों, कोचिंग सेंटरों, अस्पतालों, होटलों और मॉल्स का नियमित तथा डिजिटल सुरक्षा ऑडिट अनिवार्य किया जाना चाहिए। फायर एनओसी की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन और सार्वजनिक होनी चाहिए ताकि कोई भी नागरिक किसी भवन की सुरक्षा स्थिति की जांच कर सके। अवैध निर्माण पर केवल जुर्माना लगाने की परंपरा समाप्त होनी चाहिए और ऐसे निर्माणों को तत्काल ध्वस्त किया जाना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जिम्मेदारी केवल छोटे कर्मचारियों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। जिन अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में ऐसे अवैध निर्माण पनपते हैं, उन्हें भी समान रूप से उत्तरदायी बनाया जाना चाहिए।

कानूनी व्यवस्था में भी बदलाव की आवश्यकता है। जब किसी भवन मालिक या अधिकारी की लापरवाही के कारण लोगों की मौत होती है तो उसे केवल प्रशासनिक गलती मानकर छोड़ देना न्याय के साथ खिलवाड़ है। ऐसे मामलों में कठोर आपराधिक दायित्व तय होना चाहिए ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति मानव जीवन की कीमत पर लाभ कमाने का साहस न कर सके।

लखनऊ का अग्निकांड केवल 15 परिवारों का व्यक्तिगत दुःख नहीं है, यह पूरे समाज के लिए चेतावनी है। यह बताता है कि यदि हमने व्यवस्था की खामियों को दूर नहीं किया, यदि भ्रष्टाचार और मिलीभगत पर अंकुश नहीं लगाया और यदि सुरक्षा मानकों को केवल कागजी औपचारिकता बनाए रखा तो अगली त्रासदी केवल समय का प्रश्न होगी। तब फिर कुछ मासूम जिंदगियां बुझ जाएंगी, कुछ परिवार हमेशा के लिए उजड़ जाएंगे और व्यवस्था फिर वही पुराना राग अलापेगी। इसलिए अब खोखले आश्वासनों का समय समाप्त हो चुका है। अब जरूरत है जवाबदेही, पारदर्शिता और कठोर कार्रवाई की।(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार तथा 'सागर से अंतरिक्ष तक- भारत की रक्षा क्रांति' सहित कई चर्चित पुस्तकों के लेखक हैं)(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

पेपर खरीदने वालों के खिलाफ भी आंदोलन होना चाहिए

(डॉ. आशीष वशिष्ठ)

नीट मामले की जांच कर रही सीबीआई ने अब तक 13 मुख्य मास्टरमाइंड और दलालों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में कोचिंग संस्थानों के शिक्षक, प्रोफेसर और डॉक्टर शामिल हैं। नीट समेत देश की कई प्रतिष्ठित परीक्षाएं आयोजित कराने की जिम्मेदारी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए की है।

मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी-2026 पेपर लीक इन दिनों मामला सुर्खियों में है। 3 मई को आयोजित हुई परीक्षा पेपर लीक के बाद रद्द कर दी गई थी जिसके बाद परीक्षा के लिए नई तारीखों की घोषणा की गयी थी। 21 जून को पुनर्परीक्षा संपन्न हो चुकी है। नयी नवेली कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी नीट पेपर लीक मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रही है। आखिरकार ये परीक्षा की शुचिता के साथ ही साथ लाखों छात्रों के भविष्य का प्रश्न जो ठहरा।

इस घटना के दो पक्ष हैं। एक पेपर लीक करने वाले और दूसरे पेपर खरीदने वाले। पेपर लीक करने और बेचने वालों का तंत्र देश में मौजूद है। इस तंत्र या रैकेट का मकसद परीक्षा की शुचिता भंग कर, मोटी कमाई करना होता है। आजाद भारत का इतिहास देखें तो हजारों छोटी बड़ी परीक्षाओं के पेपर अब तक लीक हो चुके हैं। इस तंत्र की पहुंच इतनी ऊपर और इतने स्तर पर होती है कि असली गुनहगार कानून के शिकंजे से बच जाते हैं। वहीं, पेपर लीक करने और बेचने वालों के खिलाफ कभी ऐसे कड़ी कार्रवाई भी नहीं हुई, जो दूसरों के लिए नजीर बनती। दो चार दिन के हो हल्ले और बयानबाजी के बाद गाड़ी पुरानी पटरी पर दौड़ने लगती है।

नीट मामले की जांच कर रही सीबीआई ने अब तक 13 मुख्य मास्टरमाइंड और दलालों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में कोचिंग संस्थानों के शिक्षक, प्रोफेसर और डॉक्टर शामिल हैं। नीट समेत देश की कई प्रतिष्ठित परीक्षाएं आयोजित कराने की जिम्मेदारी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए की है। पेपर लीक मामले में एनटीए के महानिदेशक सुबोध कुमार को सरकार ने पद से हटा दिया है।

इस प्रकरण का दूसरा पक्ष पेपर खरीदने वालों का है। इस पक्ष की चर्चा न के बराबर है। पेपर खरीदने वालों की एक जमात हमारे समाज में सदा से विद्यमान है। जो येन केन प्रकारेण दाखिले से लेकर नौकरी के लिये पेपर खरीदने से लेकर तमाम गैर कानूनी काम से करने से बाज नहीं आती। चूंकि समाज में ऐसे लोग भी हैं जो परिश्रम के बजाय तिकड़म के सहारे सफल होना चाहते हैं। ऐसे में ये लोग लाखों रुपये में पेपर खरीदने का पा करते हैं। व्यवस्था में भ्रष्टाचार का पुराना घुन लगा ही हुआ है। ऐसे में मोटी कमाई के लालच में पेपर लीक करने वाले सजा या दंड की परवाह किये बिना परीक्षा की शुचिता को तार-तार करने का दुस्साहस करते हैं।

पेपर लीक होने पर अभ्यर्थी, अभिभावक, समाज सेवी, राजनीतिक दलों के नेता और कार्यकर्ता सरकार, प्रशासन और परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसी के खिलाफ धरना, प्रदर्शन और आंदोलन करते हैं। सोशल मीडिया पर लंबे चौड़े पोस्ट लिखे जाते हैं। ये गुस्सा और नाराजगी जायज भी है। वास्तव में, किसी परीक्षा की शुचिता कायम रखना संबंधित विभाग, एजेंसी या सरकार की जिम्मेदारी होता है। किसी भी स्तर पर चूक से लाखों अभ्यर्थी और उनके परिवार प्रभावित होते हैं। लेकिन सरकार और व्यवस्था के खिलाफ धरना, प्रदर्शन और गुस्सा प्रकट करने वाले कभी पेपर खरीदने वालों के खिलाफ कोई प्रदर्शन या आंदोलन नहीं करते। उसूलन,पेपर खरीदने वाले भी पेपर बेचने वालों जितने बराबर के दोषी हैं। गलत तरीके से परीक्षा पास करने की चाहत रखने वाले चंद भ्रष्ट अभ्यर्थियों और अभिभावकों के कारण परिश्रमी अभ्यर्थियों के सपने चकनाचूर होते हैं। ऐसे में आंदोलन, प्रदर्शन के साथ सख्त कानूनी कार्रवाई पेपर खरीदने वालों के खिलाफ भी होनी चाहिए।

जब समाज में नैतिकता का स्तर ऊंचा होगा तो गलत काम करने वाले निरूत्साहित होंगे। लेकिन जब समाज स्वयं अनैतिक कृत्यों में शामिल होगा या उसका भागीदार बनेगा तो सख्त से सख्त कानून और फूलप्रूफ व्यवस्था के भी नाकाम होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। नीट यूजी मामले में समाज के चंद भ्रष्ट लोगों ने लाखों में पेपर खरीदा। लेकिन पेपर लीक होने का असर 22 लाख अभ्यर्थियों पर पड़ा। मतलब, समाज की चंद गंदी मछलियों का भुगतान पूरे तालाब की मछलियों को उठाना पड़ा। ऐसे में चंद गंदी मछलियों की खिलाफत भी जरूरी है। नीट पेपर लीक केस में लगातार अपडेट सामने आ रहे हैं। देश के सात राज्यों में लीक हुए इस पेपर को जयपुर के जमवारामगढ़ के मांगीलाल और दिनेश ने 26 अप्रैल को ही 30 लाख में खरीदा था। इन दोनों भाइयों ने सीकर में तैयारी कर रहे अपने बेटे को यह पेपर दिया। उसके बाद दोनों भाई सीकर पहुंचे और वहां 29 अप्रैल कई लोगों को सीकर में बेचा। इस परिवार से पिछले साल ही चार बच्चे नीट में चयनित हुए थे।

दुनिया की सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिता है ओलम्पिक

(योगेश कुमार गोयल)

अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस मनाए जाने की शुरूआत 23 जून 1948 को हुई थी। दरअसल आधुनिक ओलम्पिक खेलों का पहला आयोजन तो वर्ष 1896 में हुआ था लेकिन अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (आईओसी) की स्थापना पियरे द कुबर्तिन द्वारा 23 जून 1894 को की गई थी, जिसके प्रथम अध्यक्ष बने थे यूनानी व्यापारी डेमट्रियोस विकेलास।

भारत आधुनिक ओलम्पिक खेलों में 106 वर्ष का सफर पूरा कर रहा है। भारत ने पहली बार वर्ष 1900 में ओलम्पिक में हिस्सा लिया था। तब भारत की ओर से केवल एक एथलीट नॉर्मन प्रिचर्ड को भेजा गया था, जिसने एथलेटिक्स में दो रजत पदक जीते थे। हालांकि भारत ने अधिकारिक तौर पर पहली बार 1920 में ओलम्पिक खेलों में हिस्सा लिया था। 2024 में पेरिस ओलम्पिक में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 पदक भारत की झोली में डाले थे जबकि उससे पहले 2021 में टोक्यो ओलम्पिक में भारत 7 पदक जीतने में सफल हुआ था। ओलम्पिक खेलों की शुरूआत करीब 2798 वर्ष पूर्व ग्रीस में जीयस के पुत्र हेराकल्स द्वारा की गई मानी जाती है किन्तु ऐसी धारणा है कि यह खेल उससे भी काफी पहले से ही खेले जाते रहे थे। 776 ईसा पूर्व विधिवत रूप से शुरू हुए ओलम्पिक खेलों का सिलसिला उसके बाद निर्बाध रूप से 393 ई. तक अर्थात् 1169 वर्षों तक चलता रहा। इन खेलों के माध्यम से ऐसा प्रदर्शन किया जाता था, जो मानव की शक्ति, गति एवं ऊर्जा का परिचायक माना जाता था। प्राचीन ओलम्पिक खेलों का आयोजन ईश्वर को श्रद्धांजलि देने के लिए किया जाता था।

अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस मनाए जाने की शुरूआत 23 जून 1948 को हुई थी। दरअसल आधुनिक ओलम्पिक खेलों का पहला आयोजन तो वर्ष 1896 में हुआ था लेकिन अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (आईओसी) की स्थापना पियरे द कुबर्तिन द्वारा 23 जून 1894 को की गई थी, जिसके प्रथम अध्यक्ष बने थे यूनानी व्यापारी डेमट्रियोस विकेलास। आईओसी का मुख्यालय स्विट्जरलैण्ड के लॉजेन में स्थित है और वर्तमान में दुनियाभर में 205 राष्ट्रीय ओलम्पिक समितियां इसकी सदस्य हैं। आईओसी के स्थापना दिवस 23 जून को ही बाद में अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति द्वारा प्रतिवर्ष ओलम्पिक दिवस के रूप में मनाया जाना शुरू किया गया। आईओसी द्वारा प्रत्येक चार वर्ष के अंतराल पर ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेल, शीतकालीन ओलम्पिक खेल और युवा ओलम्पिक खेल का आयोजन किया जाता है। पहला ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक वर्ष 1896 में यूनान के एथेंस में तथा पहला शीतकालीन ओलम्पिक 1924 में फ्रांस के चेमोनिक्स में आयोजित किया गया था। ओलम्पिक दुनिया की सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिता है, जिसमें दो सौ से ज्यादा देश हिस्सा लेते हैं।

भारत आधुनिक ओलम्पिक खेलों में 106 वर्ष का सफर पूरा कर रहा है। भारत ने पहली बार वर्ष 1900 में ओलम्पिक में हिस्सा लिया था। तब भारत की ओर से केवल एक एथलीट नॉर्मन प्रिचर्ड को भेजा गया था, जिसने एथलेटिक्स में दो रजत पदक जीते थे। हालांकि भारत ने अधिकारिक तौर पर पहली बार 1920 में ओलम्पिक खेलों में हिस्सा लिया था। 2024 में पेरिस ओलम्पिक में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 पदक भारत की झोली में डाले थे जबकि उससे पहले 2021 में टोक्यो ओलम्पिक में भारत 7 पदक जीतने में सफल हुआ था। ओलम्पिक खेलों की शुरूआत करीब 2798 वर्ष पूर्व ग्रीस में जीयस के पुत्र हेराकल्स द्वारा की गई मानी जाती है किन्तु ऐसी धारणा है कि यह खेल उससे भी काफी पहले से ही खेले जाते रहे थे।

फ्रांस के युवा शिक्षाशास्त्री पियरे द कुबर्तिन ने आधुनिक ओलम्पिक खेलों की आधारशिला रखी थी और उनके द्वारा 23 जून 1894 को अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति की स्थापना किए जाने के बाद नए रूप में 1896 से आधुनिक ओलम्पिक खेलों का आयोजन शुरू हुआ।

उसके बाद ओलम्पिक खेल प्राचीन ओलम्पिक खेलों की ही भांति हर चार वर्ष के अंतराल पर आयोजित किए जाने लगे। एक जनवरी 1863 को जन्मे पियरे द कुबर्तिन की उम्र उस वक्त सिर्फ सात साल थी, जब 1870 में फ्रैंच-परसियन लड़ाई में जर्मनी ने फ्रांस पर कब्जा कर लिया था। माना जाता है कि उस हार के कुछ वर्षों बाद कुबर्तिन इसका विश्लेषण करने पर इस नतीजे पर पहुंचे कि फ्रांस की हार का कारण उसकी सैन्य कमजोरियां नहीं बल्कि फ्रांसीसी सैनिकों में ताकत की कमी थी। जर्मन, ब्रिटिश और अमेरिकन बच्चों की शिक्षा का अध्ययन करने के बाद कुबर्तिन ने पाया कि उन्हें ताकतवर और हर क्षेत्र में अग्रणी बनाने में खेलों में उनकी भागीदारी की सबसे प्रमुख भूमिका थी जबकि फ्रांसीसी खेलों में भागीदारी के मामले में काफी पिछड़े थे। उसके बाद कुबर्तिन ने कोशिशें की कि फ्रांसीसियों को किसी भी तरह खेलों के प्रति आकर्षित किया जाए लेकिन उन्हें इन प्रयासों में उसाहजनक सफलता नहीं मिली किन्तु कुबर्तिन अपने इरादों पर दृढ़ थे।

1890 में कुबर्तिन ने 'यूनियन डेस सोसायटीज फ्रांसीसीज द स्पोर्टस एथलेटिक्स' नामक एक खेल संगठन की नींव रखी और उसके दो वर्ष बाद कुबर्तिन के दिमाग में ओलम्पिक खेलों को पुनर्जीवन देने का विचार आया। खेल संगठन की 25 नवम्बर 1892 को पेरिस में हुई एक मीटिंग में उन्होंने इस संबंध में अपने विचार भी रखे किन्तु उनके उस भाषण से कुछ हासिल नहीं हुआ। उसके दो वर्ष बाद कुबर्तिन ने 9 देशों के कुल 79 डेलीगेट्स की एक मीटिंग आयोजित की। इस मीटिंग में कुबर्तिन ने पूरे उत्साह से ओलम्पिक खेलों की नए सिरे से पुनः शुरूआत करने संबंधी भाषण दिया और इस बार वह लोगों को अपने विचारों से प्रभावित करने में सफल हुए। कांफ्रैंस में सभी डेलीगेट्स ने एकमत से ओलम्पिक खेल कराए जाने के पक्ष में वोट दिया और तय किया गया कि कुबर्तिन इन खेलों के आयोजन के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय समिति का गठन करें। उसके बाद 'अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति' का गठन हुआ, जिसके प्रथम अध्यक्ष के रूप में ग्रीस के डेमट्रियोस विकेलास का चयन हुआ। प्रथम ओलम्पिक खेलों के आयोजन के लिए एथेंस को चुना गया और इसकी तैयारियां शुरू हुई। 5 अप्रैल 1896 को प्रथम आधुनिक ओलम्पिक खेलों की शुरूआत हुई। प्रथम आधुनिक ओलम्पिक खेलों का उद्घाटन 5 अप्रैल 1896 को एथेंस (यूनान) में किंग जॉर्ज पंचम द्वारा किया गया। अमेरिका के जेम्स बी. कोनोली को पहले आधुनिक ओलम्पिक खेल में प्रथम ओलम्पिक चैम्पियन बनने का गौरव हासिल है।

पहले ओलम्पिक खेल की प्रतियोगिताओं में महिलाओं के भाग लेने पर प्रतिबंध था किन्तु सन् 1900 में दूसरे ओलम्पिक में महिलाओं को भी ओलम्पिक खेलों के जरिये अपनी प्रतिभा का परिचय देने का अवसर मिल गया। प्रथम आधुनिक ओलम्पिक में भाग लेने वाले कुछ खिलाड़ी तो ऐसे भी थे, जो उस वक्त एथेंस में ही पर्यटक के तौर पर पहुंचे हुए थे।

1896 से ओलम्पिक खेलों का आयोजन नियमित होता रहा है लेकिन प्रथम व द्वितीय विश्व युद्ध के कारण 1916, 1940 तथा 1944 के ओलम्पिक आयोजन रद्द करने पड़े थे। यूनान (ग्रीस), ब्रिटेन, स्विट्जरलैंड, आस्ट्रेलिया तथा फ्रांस ही पांच ऐसे देश हैं, जिन्होंने अब तक हर ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेलों में हिस्सा लिया है। ओलम्पिक खेलों के उद्घाटन के समय स्टेडियम में सबसे पहले ग्रीस की टीम प्रवेश करती है। उसके बाद मेजबान देश की भाषानुसार वर्णमाला के क्रम से एक-एक करके दूसरे देशों की टीमें स्टेडियम में प्रवेश करती हैं जबकि मेजबान देश की टीम सबके बाद स्टेडियम में पहुंचती है।(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार तथा 'सागर से अंतरिक्ष तक- भारत की रक्षा क्रांति' सहित कई चर्चित पुस्तकों के लेखक हैं)

पुनर्वासित युवाओं से मिले उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा और वन मंत्री केदार कश्यप

गांवों के विकास में सहभागी बनने किया आह्वान, पुनर्वासित युवाओं की सुनी समस्याएं

सुविधाओं, प्रशिक्षण की ली जानकारी, सिंचाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

नारायणपुर। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अपने नारायणपुर प्रवास के दौरान देर शाम पुनर्वास केंद्र पहुंचकर हिंसा का मार्ग छोड़कर मुख्यधारा से जुड़े पुनर्वासित युवाओं से आत्मीय संवाद किया। इस अवसर पर वन एवं पर्यावरण मंत्री केदार कश्यप भी उपस्थित रहे। दोनों मंत्रियों ने युवाओं से पुनर्वास केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं, प्रशिक्षण और रोजगार की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए उन्हें विकास की मुख्यधारा में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने युवाओं से आधार कार्ड, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, बैंक खाते सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों एवं शासकीय सुविधाओं की उपलब्धता की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि शासन का उद्देश्य प्रत्येक पुनर्वासित युवक-युवती को सम्मानजनक जीवन और आत्मनिर्भर बनने के लिए आवश्यक सभी सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने पुनर्वासित युवाओं से अपील की कि वे जेल में बंद अपने पूर्व साथियों से मुलाकात कर उन्हें भी पुनर्वास योजना का लाभ लेने और समाज की मुख्यधारा से जुड़ने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि विकास और शांति का मार्ग ही बस्तर के उज्ज्वल भविष्य का आधार है। उप मुख्यमंत्री ने पुनर्वास केंद्र में संचालित कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों की भी जानकारी ली। विशेष रूप से महिलाओं द्वारा मोटर वाहन ड्राइविंग का प्रशिक्षण लेकर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में दिखाई जा रही उत्साहपूर्ण भागीदारी की उन्होंने सराहना करते हुए कहा कि यह सकारात्मक परिवर्तन का प्रेरक उदाहरण है। युवाओं से चर्चा के दौरान जब खेतों में सिंचाई के लिए बोर व्यवस्था की आवश्यकता बताई गई, तब उप मुख्यमंत्री ने मौके पर ही अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहीदों के परिवारों एवं पुनर्वासित युवाओं का सर्वे कराकर उनके खेतों में सिंचाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि वे कृषि के माध्यम से स्थायी आजीविका अर्जित कर सकें। विजय शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में पेसा अधिनियम को और अधिक प्रभावी एवं सशक्त बनाने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज बस्तर के जनप्रतिनिधि आदिवासी समाज से हैं और क्षेत्र के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

उन्होंने युवाओं से सोशल मीडिया पर फैलाई जाने वाली भ्रामक और भटकाने वाली सूचनाओं से सावधान रहने का आग्रह करते हुए कहा कि बस्तर का विकास बस्तर के लोगों के सहयोग से ही संभव है। उन्होंने पुनर्वासित युवाओं का आह्वान किया कि वे शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में सहभागी बनें। वन एवं पर्यावरण मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम से लेकर बस्तर के निर्माण और विकास तक आदिवासी समाज का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने कहा कि अब समय बस्तर को शांति, विकास और समृद्धि की नई दिशा देने का है। हिंसा का मार्ग छोड़कर मुख्यधारा से जुड़ने का निर्णय लेने वाले युवाओं ने इस परिवर्तन की शुरुआत कर दी है और अब सभी को मिलकर क्षेत्र तथा समाज के समग्र विकास के लिए कार्य करना चाहिए। इस अवसर पर पुलिस जामहानिरीक्षक सुंदरराज पी., कलेक्टर कांकेर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर, पुलिस अधीक्षक रॉबिन्सन गुरिया, जिला पंचायत सीईओ आकांक्षा शिक्षा खलखो, अपर कलेक्टर बीरेंद्र बहादुर पंचभाई, एसडीएम अभयजीत मंडावी, सहित जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग एवं संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

दुष्कर्म का आरोपी सक्ती से गिरफ्तार, जेल दाखिल

रायगढ़। अभियान 'संवेदना' के तहत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के दिशा-निर्देशन में महिला संबंधी अपराधों पर त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में महिला थाना रायगढ़ पुलिस ने पीड़िता की लिखित शिकायत पर तत्काल अपराध दर्ज कर दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा है। जानकारी के अनुसार, 28 वर्षीय पीड़िता ने महिला थाना में लिखित शिकायत प्रस्तुत कर बताया कि वर्ष 2024 में निजी वित्तीय कंपनी से ऋण लेने के दौरान उसकी पहचान कंपनी में फाइनेंसर के रूप में कार्यरत हितेश कुमार केंवट से हुई थी। हितेश लोन रूपये लेने इसके घर आता जाता था, इस दौरान आरोपी ने विवाह का विश्वास दिलाकर उसके साथ उसके रायगढ़ के किराये मकान संबंध बनाए । माह अप्रैल में युवती को हितेश के किसी अन्य युवती से विवाह तय होने की जानकारी मिली, तब हितेश के घर जाकर उसके घरवालों से बात की, जहां हितेश शादी से इंकार कर दिया। युवती के लिखित आवेदन पर महिला थाना रायगढ़ में तहत धारा 69 भारतीय न्याय संहिता एवं धारा 3(2)(5) एससीएसटी एक्ट के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किया गया। थाना प्रभारी उप निरीक्षक कुसुम कैवर्त द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित करते हुए तत्काल डीएसपी ऊर्मि ठाकुर के नेतृत्व में कार्रवाई प्रारंभ की गई। गठित टीम ने सक्ती जिले के डभरा क्षेत्र में दबिश देकर आरोपी हितेश कुमार केवट (26 वर्ष), पिता गौतम प्रसाद केवट, निवासी ग्राम कांसा, थाना डभरा, जिला सक्ती को हिरासत में लिया। पूछताछ एवं आवश्यक वैधानिक कार्रवाई, चिकित्सीय परीक्षण तथा गिरफ्तारी की औपचारिकताएं पूर्ण करने के पश्चात आरोपी को कल न्यायालय में प्रस्तुत कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

नारायणपुर के नवचयनित अग्निवीरों ने पुलिस अधीक्षक रॉबिंसन गुड़िया से की मुलाकात

नारायणपुर। नारायणपुर जिले से भारतीय सेना में अग्निवीर योजना के तहत चयनित युवाओं ने जिला पुलिस अधीक्षक रॉबिंसन गुड़िया से उनके कार्यालय में मुलाकात की। इस दौरान पुलिस अधीक्षक गुड़िया ने सभी नवचयनित अग्निवीरों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह नारायणपुर जैसे अबूझमाड़ क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है कि यहाँ के युवा देश की सेवा के लिए आगे आ रहे है।

एसपी ने दिया प्रेरणादायक संदेश

गुड़िया ने अग्निवीरों को संबोधित करते हुए कहा सेना में अनुशासन सर्वोपरि है। आप सभी नारायणपुर जिले के ब्रांड एंबेसडर हैं। आपकी सफलता से अन्य युवाओं को भी प्रेरणा मिलेगी। प्रशिक्षण के दौरान पूरी लगन और मेहनत से सीखें। देश की रक्षा के साथ-साथ अपने जिले का नाम भी रोशन करें। श्री गुड़िया ने कहा कि जिला पुलिस हमेशा युवाओं के साथ खड़ी है और उनके करियर निर्माण में हर संभव मदद करेगी।

अग्निवीरों ने जताया आभार

मुलाकात के दौरान अग्निवीरों ने पुलिस अधीक्षक को अपनी चयन प्रक्रिया और आगामी प्रशिक्षण के बारे में जानकारी दी। युवाओं ने कहा कि एसपी महोदय से मिलकर उनका हौसला और बढ़ा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे प्रशिक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर नारायणपुर का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन करेंगे। इस अवसर पर श्री अक्षय साबद्रा आईपीएस , नारायणपुर जिला पत्रकार संघ के अध्यक्ष अनिल खोबरागड़े, पत्रकार अनुराग पांडेय उपस्थित थे। भारत सरकार की इस योजना के तहत युवाओं को 4 साल के लिए सशस्त्र बलों में सेवा का अवसर मिलता है। नारायणपुर जिले से इस वर्ष 11 युवाओ राकेश वड्डे (ग्राम मातला), ?मोनू वड्डे (ग्राम आमगांव),?सुकमन वड्डे (ग्राम तालागांव), ?राजेश सलाम (ग्राम कोंगेरा), ?सुनील कुमार उईके (ग्राम कुम्हली) ,?ईश्वर सलाम (ग्राम मलेचुर),रस्सू कोर्राम (ग्राम कोसलनार),मनीराम करंगा (ग्राम भारंडा),?अनिल कोर्राम (ग्राम रेमावंड), ?अखिलेश यादव (ग्राम खैराबट), ?संतू कुमेटी (ग्राम बोरपाल) का चयन हुआ है।

किरंदुल परियोजना 'डायमंड अवार्ड' एवं 'प्लेटिनम अवार्ड' से सम्मानित

किरन्दुल। एनएमडीसी लिमिटेड की बैलाडीला आयरन ओर माइन्स, किरंदुल कॉम्प्लेक्स परियोजना को दिनांक 25 जून को होटल रेडिशन ब्लू, उद्योग विहार, गुरूग्राम में आयोजित प्रतिष्ठित ईएसजी और ईएचएस लीडरशीप फोरम सम्मेलन में द्वितीय ऑनर्ज एक्सीलेन्स अवार्डस-2026 में धातु एवं खनन क्षेत्र में पर्यावरण कार्यों की उत्कृष्टता के लिए डायमंड अवार्ड और स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्लेटिनम अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह दोनों पुरस्कार किरंदुल परियोजना की ओर से के.पी.सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (उत्पादन) एवं देबब्रत मंडल, वरिष्ठ प्रबंधक (पर्यावरण) ने ग्रहण किया।इस समारोह में देशभर के उद्योग व कॉर्पोरेट जगत के दिग्गज शामिल हुए। इस अवार्ड्स के माध्यम से एनएमडीसी लिमिटेड की पर्यावरण विकास कार्यों एवं स्वास्थ्य व सुरक्षा कार्यों को उत्कृष्ट प्रदर्शन को मान्यता दी गई, जो विभिन्न परियोजनाओं और पहलों के जरिए प्राप्त की गई है। इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए परियोजना प्रमुख रवीन्द्र नारायण, अधिशासी निदेशक और के.एल.नागवेणी, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) ने सभी अधिकारियों एवं कार्मिकों को हार्दिक बधाई दी है।

ओम रूपेश कंपनी की बाउंड्रीवाल तोड़ी गई जांच में अतिक्रमण व गंदे पानी की निकासी मिली

रायगढ़। रायगढ़ के चिराईपानी क्षेत्र में ओम रूपेश कंपनी के लेबर क्वार्टर पर दीवार गिरने से एक महिला की मौत हो गई थी। घटना के बाद ओम रूपेश कंपनी की कई शिकायते सामने आई। जहां प्रशासिनक अमला ने मौके पर पहुंचकर जांच किया तो शिकायत को सही पाई गई। जिसके बाद यहां अतिक्रमण किए गए बाउंड्रीवाल को तोड़ा गया। घटना 18 जून को घटित हुई। जिसके बाद जांच के लिए 20 जून को प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंची। यहां पंचनामा तैयार किया गया, जिसमें बताया गया कि स्थल जांच में पाया गया की अनावेदक शंकर लाल अग्रवाल के द्वारा सड़क मद की शासकीय भूमि पर 2 फीट चौड़ी कंक्रीट नाली निर्माणधीन है। साथ ही सड़क के किनारे से कच्ची नाली दीवार से लगकर गंदे पानी को छोड़ा जा रहा है। पास में क्रेशर संचालित है जिसमें स्लेग चुरा का भंडारण किया गया है और दबाव से दीवार के ढह जाने की आशंका ग्रामीणों को बनी हुई है। जांच में यह भी पाया गया की भूमि स्वामी मामता जायसवाल की भूमि पर शंकर लाल अग्रवाल के द्वारा अहाता निर्माण किया गया है ऐसे में आज तहसीलदार समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और यहां अतिक्रमण किए गए बांउड्रीवाल को तोड़ा गया। साथ ही आगे की प्रक्रिया की जा रही है। तलाब-रास्ते में भी कब्जा किया भाजपा समर्थित जिला पंचायत सदस्य गोपाल अग्रवाल ने बताया कि घटना के बाद ओम रूपेश कंपनी की शिकायत की गई थी। कंपनी के द्वारा फॉरेस्ट का जमीन, तालाब और रास्ते में कब्जा किया गया है।शिकायत को सही पाए जाने के बाद तहसीलदार, नायब तहसीलदार समेत राजस्व आज आया था।

अकीदत व अमन के साथ मनाया गया मातमी पर्व मोहर्रम

रायगढ़। रायगढ़ में मोहर्रम का पर्व पूरे अकीदत और शांति के साथ मनाया गया। हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में मुस्लिम समाज द्वारा ताजिया जुलूस निकाले गए, जिसमें बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने हिस्सा लिया। वहीं शहर के विभिन्न समुदाय बहुल्य मोहल्लों से अखाड़े निकालकर शहर के चौक-चौराहों में प्रदर्शन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं की भागीदारी देखी गई। रायगढ़ में सुबह से ही शहर के विभिन्न मोहल्लों जैसे कि चांदनी चौक, इंदिरा नगर, चांदमारी के अलावा अन्य मोहल्लों में ताजिया सजाए गए और शाम होते-होते जुलूसों के रूप में निकाले गए। जुलूस के दौरान मातमी धुनों के साथ लोग या हुसैन की सदाएं लगाते हुए चलते रहे। मोहर्रम को लेकर जिला प्रशासन व पुलिस विभाग पूरी तरह सतर्क रहा। पूरे रायगढ़ शहर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। संवेदनशील इलाकों में पुलिस बल की अतिरिक्त तैनाती की गई, साथ ही ड्रोन कैमरा व सीसीटीवी से निगरानी भी की गई। रायगढ़ पुलिस ने कहा कि रायगढ़ में मोहर्रम का जुलूस पूरी तरह शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण रहा। सभी समुदायों ने भाईचारे की मिसाल पेश की है। इस दौरान हजरत इमाम हुसैन की कुर्बानी को याद कर लोगों ने अन्याय के खिलाफ डटकर खड़े रहने की प्रेरणा ली। शहर के विभिन्न इमामबाड़ों में विशेष दुआओं और मजलिस का आयोजन भी किया गया। जिसमें भारी संख्या में समुदाय के युवाओं, महिलाओं व बच्चों ने सहभागिता निभाई।

नारायणपुर जिला पत्रकार संघ ने किया नव चयनित अग्निवीरों का सम्मान

नारायणपुर। नक्सल प्रभावित नारायणपुर की धरती से देश सेवा का जज्बा लेकर निकले 11 युवाओं का चयन अग्निवीर के रूप में भारतीय सेना में हुआ है। नारायणपुर जिला पत्रकार संघ ने नारायणपुर जिला से चयनित अग्निवीर युवाओं का पुष्पहार से स्वागत करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस दौरान पत्रकार संघ ने नारायणपुर जिले का मान सम्मान एवं गौरव बढ़ाने वाले युवाओं को यथासंभव सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर नारायणपुर जिला पत्रकार संघ के अध्यक्ष अनिल खोबरागड़े ने कहा कि नारायणपुर जैसे आदिवासी बहुत जिले से एक साथ 11 युवाओं का अग्निवीर में चयन होना युवाओं में बढ़ते आत्मविश्वास का प्रतीक है एवं नक्सल प्रभावित क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि है। इस अवसर पर उपस्थित पत्रकार

गणों मोहम्मद फिरोज, गुलाब बघेल, अर्जुन देवांगन, अनुराग पाण्डेय, नंदकिशोर नाग, दीपक गोटा, कपिल दीक्षित ने युवाओं को सम्मानित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस वर्ष नारायणपुर जिले के होनहार युवाओं राकेश वड्डे (ग्राम मातला), मोनू वड्डे (ग्राम आमगांव),?सुकमन वड्डे (ग्राम तालागांव), राजेश सलाम (ग्राम कोंगेरा), सुनील कुमार उईके (ग्राम कुम्हली) ईश्वर सलाम (ग्राम मालेचुर),रसू कोर्राम (ग्राम कौशलनार),मनीराम करंगा (ग्राम भरंडा),अनिल कोर्राम (ग्राम रेमावंड), अखिलेश यादव (ग्राम खैराबट), ?संतू कुमेटी (ग्राम बोरपाल) का चयन हुआ है। उल्लेखनीय है कि अग्निवीर योजना के तहत चयनित युवाओं को 4 साल तक सेना में सेवा का अवसर मिलता है। इसके बाद 25व अग्निवीरों को स्थाई सेवा में लिया जाएगा जबकि शेष को सेवा निधि पैकेज के साथ अन्य अवसर मिलेंगे।

ताला लगे अस्पताल के बाहर गूंजी नवजात की पहली किलकारी

सोनाबाल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रसव पीड़िता को बंद मिला गेट, बरामदे में हुआ प्रसव; परिजनों ने लगाया लापरवाही का आरोप, विभाग ने नोटिस की कही बात

कोण्डागांव। जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सोनाबाल में रात स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर लापरवाही सामने आई। प्रसव पीड़ा से तड़प रही गर्भवती महिला को परिजन सुरक्षित प्रसव की उम्मीद लेकर अस्पताल पहुंचे, लेकिन मुख्य गेट पर ताला लटका मिला। अस्पताल परिसर में तत्काल कोई स्वास्थ्यकर्मी नहीं मिला। ऐसे में महिला ने अस्पताल के बरामदे में ही नवजात बालक को जन्म दे दिया। जिस अस्पताल में मां और बच्चे की सुरक्षित डिलीवरी होनी थी, उसी अस्पताल के बाहर नवजात की पहली किलकारी गूंजी। जानकारी के अनुसार, मोहलई गांव निवासी शांति कश्यप (27), पति अंगद राम कश्यप को शुक्रवार रात करीब 8:30 बजे प्रसव पीड़ा शुरू हुई। परिजन उन्हें वाहन से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सोनाबाल लेकर पहुंचे। रात करीब 9:25 से 9:30 बजे अस्पताल पहुंचने पर मुख्य गेट बंद मिला और उस पर ताला लगा था। परिजनों का आरोप है कि काफी देर तक ड्यूटी स्टाफ की तलाश की गई, लेकिन कोई उपलब्ध नहीं मिला। इसी दौरान अस्पताल के बरामदे में ही प्रसव हो गया और महिला ने करीब 3 किलो वजन के स्वस्थ पुत्र को जन्म दिया। प्रसव के बाद परिजनों को बाजार से ब्लेड सहित आवश्यक सामग्री की व्यवस्था करनी पड़ी। शांति कश्यप पहले से दो बच्चों–लम्बोदर (8 वर्ष) और उर्मिला (4 वर्ष)–की मां हैं। नवजात पुत्र के जन्म से परिवार में खुशी का माहौल है, लेकिन अस्पताल की व्यवस्था को लेकर परिजनों में नाराजगी भी है। घटना के समय महिला के साथ पति अंगद राम कश्यप के अलावा ननद नीलबती सोढ़ी, माता लछन दई सोढ़ी, बड़ी मां दयमति सोढ़ी, मितानिन फूल दई सोढ़ी मौजूद थीं। वहीं सहयोगी सखा बघेल ने बताया कि प्रसव के बाद अस्पताल के मुख्य गेट के सामने खून और अन्य तरल पदार्थ फैल गए थे, जिन्हें उन्होंने स्वयं पानी डालकर साफ किया। महिला के पति अंगद राम कश्यप, निवासी कुंगारपाल (जिला बस्तर), ने बताया कि पत्नी को सुरक्षित प्रसव के लिए अस्पताल लेकर आए थे, लेकिन गेट पर ताला लगा मिला और अस्पताल के बाहर ही बच्चे का जन्म हो गया। वहीं महिला के मामा सकाराम बघेल ने बताया कि सूचना मिलने पर वे वाहन लेकर मोहलई पहुंचे और अस्पताल लाए। उनका आरोप है कि अस्पताल पहुंचने पर मुख्य गेट बंद था और स्टाफ अपने क्वार्टर में भी नहीं मिला। घटना के करीब 20 मिनट बाद स्वास्थ्य विभाग का कर्मचारी पहुंचा। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें अस्पताल के बाहर प्रसव होने और परिजनों द्वारा लगाए गए आरोप दिखाई दे रहे हैं।

प्रभारी चिकित्सा अधिकारी बोले- कर्मचारियों को जारी होगा नोटिस

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सोनाबाल के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. के.के. सिंह, जिन्हें वर्तमान में जिला अस्पताल में अटैच किया गया है, ने बताया कि स्टाफ नर्स प्रतिभा नागवंशी मातृत्व अवकाश पर हैं, जबकि माहेश्वरी नेताम फ रवरी से शैक्षणिक अवकाश पर है। उनके अवकाश पर जाने के बाद हिरमती साहू को अस्पताल में अटैच किया गया है। उन्होंने कहा कि मामले की जानकारी ली जा रही है तथा संबंधित कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा जाएगा।

स्वास्थ्य विभाग ने आरोपों से किया इनकार

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सोनाबाल में पदस्थ द्वितीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता हिरमती साहू ने लापरवाही के आरोपों से इनकार किया। उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही वे तत्काल अस्पताल पहुंच गई थीं। उनके अनुसार अस्पताल का गार्ड कहीं गया हुआ था, इसलिए गेट पर ताला लगा था। उन्होंने कहा कि महिला का प्रसव वाहन से उतरते समय ही हो गया था। गर्भनाल उन्होंने स्वयं काटी और तत्काल मां व नवजात को आवश्यक चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम बना जरूरतमंद परिवारों का संबल समय पर पहचान और नि:शुल्क उपचार से बदल रही नन्हे बच्चों की ज़िंदगी कटे होंठ की समस्या से निजात के साथ आरुष को मिली स्वस्थ जीवन की नई राह

बलरामपुर, कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के मार्गदर्शन में जिले में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम का बेहतर संचालन किया जा रहा है।

कार्यक्रम के अंतर्गत प्रभावित बच्चों की नियमित स्वास्थ्य जांच कर उन्हें आवश्यकता अनुसार उच्च संस्थानों में नि:शुल्क उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। जिससे अनेक परिवारों को राहत के साथ बच्चों को स्वस्थ जीवन की नई राह मिली है। इसी कड़ी में छह माह के मासूम आरुष कुमार यादव के जन्म से कटे होंठ की समस्या के कारण परिवार चिंता और असहायता के दौर से गुजर रहा था। लेकिन राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम ने इस परिवार की जिंदगी में नई उम्मीद जगाई। वाड्रफनगर विकासखंड के जनकपुर निवासी आरुष के पिता अखिलेश यादव बताते हैं कि जन्म के बाद बच्चे को दूध पिलाने में काफी परेशानी होती थी। परिवार की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि महंगा ऑपरेशन करा सकें। इसी बीच आरबीएसके टीम ने नियमित स्वास्थ्य जांच के दौरान आरुष की पहचान की। आवश्यक चिकित्सकीय परीक्षण के बाद उसे नि:शुल्क उपचार के लिए रायपुर स्थित श्री मेडिसिन हॉस्पिटल भेजा गया।आरबीएसके टीम के समन्वय एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में आरुष का सफल क्लेफ्ट लिप ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के बाद बच्चे के स्वास्थ्य में लगातार सुधार हो रहा है । परिवार के चेहरे पर अब चिंता की सुकून दिखाई देता है। आरुष के पिता अखिलेश यादव ने भावुक होते हुए कहा कि शासन और स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से उनके बच्चे का इलाज कराना संभव हुआ है। उन्होंने जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और आरबीएसके टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समय पर उपचार से उनके बेटे को नया जीवन और पूरे परिवार को नई उम्मीद दी है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत जन्मजात विकारों, बीमारियों, पोषण संबंधी कमियों तथा विकासात्मक समस्याओं से प्रभावित बच्चों की समय पर पहचान कर उनका नि:शुल्क उपचार कराया जा रहा है। कार्यक्रम ऐसे अनेक परिवारों के लिए संबल बन रहा है, जो आर्थिक अभाव के कारण अपने बच्चों का समुचित इलाज नहीं करा पाते और आरुष की समय पर पहचान और उपचार उनके परिवार के जीवन में खुशियों की नई उम्मीद बनकर आया है।

पीलिया से स्वस्थ होकर लौटे थे ड्यूटी पर, कमरे में मृत मिले आरक्षक जुगन साय पैकरा; मर्ग कायम कर जांच शुरू

बलरामपुर/राजपुर। बलरामपुर जिले के राजपुर थाना परिसर में रहने वाले एक आरक्षक की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे थाना परिसर में शोक का माहौल है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है तथा मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। राजपुर थाना प्रभारी भारद्वाज सिंह ने बताया कि आरक्षक जुगन साय पैकरा थाना परिसर में बने शासकीय क्वार्टर में रहते थे। शुक्रवार रात लगभग 9 बजे वह अपने कमरे में सोने चले गए थे। शनिवार सुबह काफी देर तक कमरे से बाहर नहीं निकलने पर साथियों ने उन्हें आवाज लगाई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद दरवाजा खोलकर देखा गया तो वह अचेत अवस्था में मिले। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आरक्षक जुगन साय पैकरा कुछ माह पूर्व पीलिया (जॉन्डिस) से पीड़ित हुए थे। उपचार के बाद वह पूरी तरह स्वस्थ होकर दोबारा अपनी नियमित ड्यूटी कर रहे थे। ऐसे में उनकी अचानक हुई मौत ने पुलिस विभाग और उनके परिजनों को गहरे सदमे में डाल दिया है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि उनकी मौत किसी बीमारी के कारण हुई है या इसके पीछे कोई अन्य वजह है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए हैं और मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल मर्ग कायम कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। आरक्षक के असामयिक निधन से राजपुर थाना परिसर में शोक की लहर है और पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी अपने साथी को नम आंखों से श्रद्धांजलि दे रहे हैं।

पल्स पोलियो अभियान-2026 का हुआ जिला स्तरीय शुभारंभ

कलेक्टर उपस्थित बच्चों के साथ अपनी पुत्री को भी पिलाई पोलियो ड्रॉप

- जिले में 0 से 05 वर्ष तक के 1,04,627 बच्चों को पोलियो खुराक पिलाने का लक्ष्य
- जिलेवासियों से अभियान को सफल बनाने की अपील — 29 एवं 30 जून को घर-घर पहुँचेंगी स्वास्थ्य टीमें

सूरजपुर संवाददाता। पोलियो मुक्त भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में आज जिले में पल्स पोलियो अभियान का जिला स्तरीय शुभारंभ जिला चिकित्सालय, सूरजपुर में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने की। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. कपिल देव पैकरा, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, जिला टीकाकरण अधिकारी सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ 0 से 05 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर ने उपस्थित बच्चों व स्वयं की पुत्री को पोलियो ड्रॉप पीला कर अभियान का शुभारंभ किया। कलेक्टर द्वारा अगवाई कर जिले के सभी अभिभावकों के संदेश दिया गया कि प्रत्येक बच्चे को पोलियो की दवा पिलाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने जिले के समस्त नागरिकों एवं अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि पोलियो जैसी गंभीर एवं अपंगता उत्पन्न करने वाली बीमारी से बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए प्रत्येक बच्चे को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाना आवश्यक है। उन्होंने कहा

कि दो बूंद जिंदगी की प्रत्येक बच्चे का अधिकार है तथा किसी भी कारणवश कोई भी बच्चा इस जीवनरक्षक दवा से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने सभी नागरिकों से अभियान में सक्रिय सहयोग करने एवं स्वास्थ्य विभाग की टीमों का पूर्ण सहयोग करने का आग्रह किया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. कपिल देव पैकरा ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में 28 जून को सभी निर्धारित पोलियो बूथों पर बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। इसके पश्चात 29 एवं 30 जून को स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा घर-घर जाकर ऐसे बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी, जो किसी कारणवश बूथ तक नहीं पहुँच सके। उन्होंने बताया कि जिले में लगभग 1,04,627 (एक लाख चार हजार छह सौ सत्ताईस) शून्य से पाँच वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान के सफल संचालन हेतु जिलेभर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा व्यापक तैयारियां की गई हैं, जिसके अंतर्गत पोलियो बूथों की स्थापना, मोबाइल टीमों एवं ट्रांजिट टीमों का गठन, आवश्यक दवाओं एवं वैक्सीन की उपलब्धता तथा कर्मचारियों का प्रशिक्षण सुनिश्चित किया गया है। अभियान के दौरान जिला एवं विकासखंड स्तर से नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी, ताकि जिले का कोई भी पात्र बच्चा पोलियो की दवा पीने से वंचित न रहे। स्वास्थ्य विभाग की टीमें बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, प्रमुख बाजार, ईंट-भट्ठों, निर्माण स्थलों एवं अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में भी विशेष रूप से बच्चों को पोलियो की दवा पिलाएंगी। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों ने कहा कि भारत को पोलियो मुक्त बनाए रखने के लिए प्रत्येक पल्स पोलियो अभियान में सभी बच्चों को दवा पिलाना अत्यंत आवश्यक है। यदि कोई बच्चा पूर्व में पोलियो की नियमित खुराक ले चुका है, तब भी उसे पल्स पोलियो अभियान के दौरान दो बूंद जिंदगी की अवश्य पिलाई जानी चाहिए।

कलेक्टर ने कला केंद्र, आयुष चिकित्सालय सह पंचकर्म स्पेशलाइज्ड थेरेपी सेंटर का किया निरीक्षण

- स्वच्छता, जल निकासी, रखरखाव एवं ओपन थिएटर निर्माण की संभावनाओं का लिया जायजा, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

सूरजपुर संवाददाता/ कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने रविवार को जिला मुख्यालय सूरजपुर स्थित कला केंद्र, आयुष चिकित्सालय सह पंचकर्म स्पेशलाइज्ड थेरेपी सेंटर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कला केंद्र में संचालित गतिविधियों की जानकारी लेते हुए रिकॉर्डिंग रूम, ग्रीन रूम सहित विभिन्न कक्षों का अवलोकन किया। उन्होंने केंद्र के संचालक से बच्चों को उपलब्ध कराए जा रहे प्रशिक्षण, विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों एवं शुल्क संबंधी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कला केंद्र के संचालन को और अधिक प्रभावी एवं व्यवस्थित बनाने के निर्देश दिए।कला केंद्र परिसर के आसपास गंदगी पाए जाने पर कलेक्टर ने नगर पालिका अमले को तत्काल साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्षा ऋतु में नियमित स्वच्छता अत्यंत आवश्यक है, ताकि गंदगी तालाब तक न पहुंचे और पर्यावरण स्वच्छ बना रहे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कला केंद्र से लगी खाली भूमि पर भविष्य में ओपन थिएटर निर्माण की संभावनाओं पर भी अधिकारियों के साथ चर्चा की। साथ ही कला केंद्र के संरक्षण, संवर्धन एवं समुचित रखरखाव के लिए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके पश्चात कलेक्टर श्रीमती जमील ने सुभाष चौक स्थित आयुष चिकित्सालय व पंचकर्म स्पेशलाइज्ड थेरेपी सेंटर का निरीक्षण किया। उन्होंने परिसर की स्वच्छता, जल निकासी व्यवस्था तथा वर्षा के दौरान जलभराव की संभावनाओं का जायजा लेते हुए नगर पालिका के संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधारात्मक कार्य शीघ्र कराने के निर्देश दिए।

राज्य खेल कैलेंडर के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला स्तरीय बैठक आयोजित.....

- योग कक्षाएं नियमित संचालित करने एवं पात्रता प्रमाण पत्र समय पर जारी करने के निर्देश

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। लोक शिक्षा संचालनालय रायपुर के निर्देशानुसार जिला शिक्षा अधिकारी श्री रजनीश तिवारी की अध्यक्षता में आज राज्य खेल कैलेंडर के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के सभी विकासखंडों के लिए खेल प्रभारी एवं नोडल अधिकारियों का निर्धारण किया गया तथा खेल गतिविधियों के सफल संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिला शिक्षा अधिकारी श्री तिवारी ने निर्देशित किया कि विकासखंड स्तर से ही खिलाड़ियों की संपूर्ण जानकारी का परीक्षण कर नियमानुसार पात्रता प्रमाण पत्र जारी किए जाएं, जिससे जिला एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो। उन्होंने खेल गतिविधियों के संचालन में पारदर्शिता, समयबद्धता एवं समन्वय बनाए रखने पर विशेष बल दिया। बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय शनिवार को सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में योग कक्षाओं का अनिवार्य रूप से आयोजन किया जाए, ताकि विद्यार्थियों में शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़े और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा मिल सके। बैठक में जिले के सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के प्राचार्य, व्यायाम शिक्षक तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

ज्वेलरी शॉप में चोरी करने वाले 4 आरोपी पकड़ाए....

बिलासपुर। जिले के सीपत थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खम्हरिया स्थित रमेश ज्वेलर्स में हुई लाखों रुपये की चोरी का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों सहित चोरी का सामान खरीदने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से सोने-चांदी के जेवर और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल सहित कुल 6.80 लाख रुपये की संपत्ति बरामद की है। पुलिस के अनुसार, ग्राम खम्हरिया स्थित रमेश ज्वेलर्स के संचालक विभूति विनय सोनी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 20 फरवरी 2026 की शाम दुकान बंद करने के दौरान अज्ञात बदमाश सोने-चांदी के जेवर और एक लाख रुपये नकदी से भरे दो बैग चोरी कर फरार हो गए थे। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी पहले से तैयार मोटरसाइकिल से भाग निकले थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के निर्देशन में एसीसीयू बिलासपुर और थाना सीपत की संयुक्त टीम गठित कर जांच शुरू की गई। टीम ने घटना स्थल और आसपास के क्षेत्रों में लगे 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले और लगातार आरोपियों की तलाश करती रही। जांच के दौरान पुलिस को चौकी कोटमीकला, थाना पेंड्रा से सूचना मिली कि वहां एक अन्य मामले में गिरफ्तार आरोपियों खुशीराम साहू (65), मनीष उर्फ राहुल मंडल (30) और राजाराम साहू (25) ने पूछताछ में खम्हरिया ज्वेलर्स चोरी की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया है। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने 2.88 किलोग्राम चांदी के जेवर, 13.30 ग्राम सोने के जेवर और घटना में प्रयुक्त एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल (सीजी 10 बीएफ2654) बरामद की।

पुनर्मूल्यांकन के बाद आत्मानंद स्कूल पेंड्रा की आकृति साहू ने राज्य मेरिट में हासिल किया 8वां स्थान

- जिले का बढ़ाया गौरव, कक्षा 12वीं की मेरिट सूची में आत्मानंद विद्यालय के तीन विद्यार्थियों ने बनाई जगह

गौरेला पेंड्रा मरवाही। स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय पेंड्रा की मेधावी छात्रा आकृति साहू ने पुनर्मूल्यांकन के बाद उत्कृष्ट सफलता प्राप्त करते हुए जिले एवं विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। पुनर्मूल्यांकन के उपरांत आकृति के 4 अंक बढ़ने से उनका कुल प्राप्तांक 484 हो गया, जिसके आधार पर उन्होंने छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की राज्य मेरिट सूची में 8वां स्थान प्राप्त किया। वहीं निर्धारित बोनस अंक जोड़ने के बाद उनका कुल प्राप्तांक 494 (98.80 प्रतिशत) दर्ज किया गया। आकृति साहू ने इससे पूर्व कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा में भी राज्य मेरिट सूची में स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया था। उनकी इस निरंतर उपलब्धि ने यह सिद्ध किया है कि समर्पण, अनुशासन और सतत परिश्रम से उत्कृष्ट परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री भुवाल सिंह पैकरा ने छात्रा को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की सफलता शिक्षकों के समर्पित प्रयास, अभिभावकों के सहयोग तथा विद्यालय में उपलब्ध गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण का परिणाम है। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय पेंड्रा के कक्षा 12वीं के तीन विद्यार्थियों ने राज्य की टॉप-10 मेरिट सूची में स्थान बनाकर विद्यालय एवं जिले को गौरवान्वित किया है। जिला शिक्षा अधिकारी श्री रजनीश तिवारी के मार्गदर्शन, पूर्व प्राचार्य श्री वी. के. वर्मा के शैक्षणिक नेतृत्व तथा विद्यालय के शिक्षकों के सतत प्रयासों से यह शासकीय विद्यालय प्रदेश में उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों का नया कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।आकृति की इस उल्लेखनीय सफलता पर विद्यालय परिवार, शिक्षा विभाग, अभिभावकों एवं जिलेवासियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

600 बूथों पर गूंजा 'मन की बात' का संदेश, भाजपा सरगुजा ने किया 135वें एपिसोड का सामूहिक श्रवण

- कैबिनेट मंत्री, सांसद, विधायक, महापौर एवं जनप्रतिनिधियों ने कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों के साथ सुना कार्यक्रम; आत्मनिर्भर भारत, पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी का दिया संदेश

अंबिकापुर। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 135वें एपिसोड का भारतीय जनता पार्टी सरगुजा जिला के लगभग 600 बूथों पर सामूहिक श्रवण किया गया। जिलेभर में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों ने बूथ स्तर पर एकत्र होकर प्रधानमंत्री के विचारों को सुना। रामगढ़ मंडल के एक बूथ पर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल ने कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों के साथ कार्यक्रम का श्रवण किया। वहीं सांसद चिंतामणि महाराज ने चंगोली बूथ पर उपस्थित कार्यकर्ताओं के साथ 'मन की बात' सुनी। भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने नवानगर मंडल के बूथ क्रमांक 18 में कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों के साथ कार्यक्रम का श्रवण किया। इस अवसर पर उन्होंने मंडल की बैठक भी ली तथा उपस्थित कार्यकर्ताओं को संगठन के प्रशिक्षण एवं डिजिटल लर्निंग अभियान के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इसी क्रम में महापौर मंजूषा भगत ने अंबिकापुर ग्रामीण मंडल के जगदीशपुर बूथ, विधायक प्रबोध मिंज ने जरहागढ़ बूथ, विधायक रामकुमार टोप्पो ने सीतापुर के बगडोली बूथ क्रमांक 334 तथा छत्तीसगढ़ युवा

आयोग के अध्यक्ष विश्वविजय तोमर ने पटपरिया बूथ पर कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों के साथ 'मन की बात' का श्रवण किया। रजपुरी बूथ पर 'मन की बात' कार्यक्रम के साथ स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य दिव्या सिंह सिसोदिया ने भाजपा कार्यकर्ताओं एवं आमजनों के साथ प्रधानमंत्री के संबोधन को सुना। कार्यक्रम के पश्चात भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने बताया कि 'मन की बात' के 135वें एपिसोड में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सुरक्षा एवं आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, जनकल्याणकारी बीमा योजनाओं, प्रकृति संरक्षण, खेल, संस्कृति तथा 'वोकल फॉर लोकल' जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार साझा किए। प्रधानमंत्री ने देशवासियों से अपने-अपने क्षेत्रों में हो रहे प्रेरणादायक कार्यों की जानकारी उन्हें निरंतर भेजने का भी आग्रह किया। श्री सिसोदिया ने बताया कि प्रधानमंत्री ने भगवान गणेश की प्रतिमाओं का उल्लेख करते हुए कारीगरों से प्लास्टर ऑफपेरिस के स्थान पर मिट्टी से गणेश प्रतिमाओं का निर्माण करने का आग्रह किया, ताकि जल प्रदूषण को रोका जा सके और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिले। कार्यक्रम के माध्यम से जिलेभर में संगठनात्मक सक्रियता, जनसंपर्क और प्रधानमंत्री के संदेशों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रभावी प्रयास किया गया।

बाथरूम करने के विवाद में हत्या के प्रयास का फरार आरोपी गिरफ्तार

- सरकंडा पुलिस अब तक 4 आरोपी और 7 नाबालिगों को पकड़ चुकी

बिलासपुर। सरकंडा थाना पुलिस ने नाली में बाथरूम करने को लेकर हुए विवाद के बाद हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहे एक और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में अब तक चार आरोपियों और सात विधि से संघर्षरत बालकों को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अमन अहिरवार उर्फ नाचू (24 वर्ष), निवासी श्यामनगर मोची मोहल्ला, लिंगियाडीह, थाना सरकंडा, जिला बिलासपुर के रूप में हुई है। आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक रिमांड पर केंद्रीय जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, 25 अप्रैल 2026 की रात करीब 12 बजे प्रभात चौक, चिंगराजपारा निवासी सनत सारथी खाना खाने के बाद मोहल्ले में टहल रहे थे। इसी दौरान नाली में पेशाब करने की बात को लेकर विक्की अहिरवार और उसके साथियों से विवाद हो गया। आरोप है कि आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और डंडे, चाकू तथा हाथ-मुक्कों से हमला कर दिया। मारपीट में सनत सारथी के अलावा बीच-बचाव करने पहुंचे रेखा सारथी, बेटू विश्वकर्मा, सोनी सिंह ठाकुर और तिलक दास मानिकपुरी भी घायल हो गए।

हिंदू धर्म में हर महीने का अपना एक विशेष धार्मिक महत्व होता है, लेकिन आषाढ़ के महीने को आध्यात्मिक दृष्टि से बेहद पवित्र और फलदायी माना गया है। पंचांग के अनुसार, यह साल का चौथा महीना होता है। इस पूरे महीने में भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी और तुलसी पूजा-आराधना का विधान है। मान्यता है कि इस मास में किए गए जप-तप, दान और उपाय कभी खाली नहीं जाते। द्रिक पंचांग के अनुसार, साल 2026 में आषाढ़ मास की शुरुआत 30 जून से हो रही है और इसका समापन 29 जुलाई 2026 को होगा। आइए जानते हैं कि इस पूरे महीने तुलसी से जुड़े कौन-कौन से उपाय करना शुभ माना जाता है।

आषाढ़ मास में क्यों खास होती है तुलसी पूजा?

सनातन परंपरा में तुलसी को केवल एक पौधा नहीं, बल्कि देवी का स्वरूप माना गया है। ऐसा माना जाता है कि जिस घर में तुलसी की रोजाना पूजा होती है, वहां सकारात्मक ऊर्जा और परिवार पर भगवान विष्णु की कृपा बनी रहती है। आषाढ़ मास में तुलसी की सेवा और पूजा का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है, क्योंकि यह महीना भगवान विष्णु की आराधना के लिए विशेष माना गया है।

रोज सुबह जल अर्पित करें

आषाढ़ मास में रोजाना स्नान के बाद तुलसी के पौधे को स्वच्छ जल अर्पित करें। इसके बाद दीपक जलाकर भगवान विष्णु के मंत्रों का जाप करें। मान्यता है कि इससे घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है और परिवार के सदस्यों को शुभ फल मिलता है।

ज्येष्ठ पूर्णिमा का महत्व:
भगवान जगन्नाथ महास्नान और आस्था से जुड़ी पौराणिक परंपराएं

ज्येष्ठ पूर्णिमा को हिंदू परंपरा में अत्यंत पवित्र दिन माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन सूर्य की ऊर्जा विशेष स्थिति में होती है और दिन धीरे-धीरे छोटी अवधि की ओर बढ़ने लगता है। इस पूर्णिमा के लगभग 25 दिन बाद आषाढ़ शुक्ल एकादशी आती है, जिसे देवशयनी एकादशी कहा जाता है। इसी दिन भगवान विष्णु योग निद्रा में चले जाते हैं, जिसके बाद चार महीने तक मांगलिक कार्यों पर विराम माना जाता है।

भगवान जगन्नाथ और महास्नान की परंपरा

ज्येष्ठ पूर्णिमा को भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के प्रकट दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर में इस दिन भव्य स्नान यात्रा का आयोजन होता है, जिसमें भगवान की प्रतिमाओं को 108 कलशों से स्नान कराया जाता है। स्नान के बाद उन्हें एकांत कक्ष में रखा जाता है, जहां वे "अनासर" अवधि में रहते हैं। इसके बाद भक्तों को विशेष रूप से 56 भोग अर्पित किए जाते हैं।

पौराणिक मान्यताएं और जगन्नाथ जन्म कथा

स्कंद पुराण के अनुसार, ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन ही राजा इंद्रद्युम्न द्वारा स्थापित विशाल मंदिर में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की दारु (लकड़ी) से बनी मूर्तियों का प्राकट्य हुआ था। इसी कारण यह दिन भगवान जगन्नाथ के प्रकट दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। यह परंपरा आस्था और सांस्कृतिक विरासत का गहरा प्रतीक है।

कबीर और जीवन दर्शन की सीख

भारतीय संत कबीर ने अपने दोहों के माध्यम से समाज को सरलता और सत्य का संदेश दिया। उनके अनुसार मानव जीवन का उद्देश्य आंतरिक शुद्धता और कर्म की सच्चाई है। कबीर की शिक्षाएं आज भी लोगों को नैतिकता, सादगी और आत्मचिंतन की प्रेरणा देती हैं, जो धार्मिक उत्सवों के आध्यात्मिक महत्व को और भी गहरा बनाती हैं।

पुराने घरों में दरवाजे इतने छोटे और नीचे क्यों बनाए जाते थे?

पुराने समय के घरों में छोटे और नीचे दरवाजे यूं ही नहीं बनाए जाते थे। इसके पीछे छिपी वजहें आज भी लोगों को हैरान कर देती हैं। आजकल घरों के दरवाजे बड़े और ऊंचे बनाए जाते हैं, ताकि लोग आसानी से आ-जा सकें। लेकिन अगर आपने कभी किसी पुराने गांव या ऐतिहासिक घर को देखा होगा, तो वहां के दरवाजे काफी छोटे और नीचे नजर आते हैं। कई बार तो घर के अंदर जाने के लिए झुकना भी पड़ता था। ऐसा सिर्फ जगह की कमी की वजह से नहीं था, बल्कि इसके पीछे कई समझदारी भरे कारण थे। आइए जानते हैं कि पुराने समय में घरों के दरवाजे छोटे और नीचे क्यों बनाए जाते थे।

मौसम के हिसाब से बेहतर थे छोटे दरवाजे

पहले के समय में बिजली, एसी और हीटर जैसी सुविधाएं नहीं थीं। ऐसे में लोग घर को ठंडा या गर्म रखने के लिए पारंपरिक तरीके अपनाते थे। छोटे दरवाजों से गर्मियों में बाहर की गर्म हवा कम अंदर आती थी। वहीं सर्दियों में घर के अंदर की गर्माहट जल्दी बाहर नहीं निकलती थी। इससे घर का तापमान काफी हद तक संतुलित रहता था। पुराने समय में चोरी और डकैती का खतरा रहता था। छोटे दरवाजों की वजह से कोई भी व्यक्ति तेजी से घर के अंदर नहीं घुस सकता था। अंदर आने के लिए उसे झुकना पड़ता था, जिससे घर के लोगों को संभलने और अपनी सुरक्षा करने का थोड़ा समय मिल जाता था।

दीवारों को मजबूत रखने में मिलती थी मदद

उस दौर में घर ज्यादातर मिट्टी, पत्थर या ईंट से बनाए जाते थे। वहीं दरवाजे भारी लकड़ी के होते थे। अगर दरवाजा बहुत बड़ा बनाया जाता, तो उसका वजन दीवारों पर ज्यादा पड़ता। इससे दीवार या चौखट कमजोर हो सकती थी, इसलिए दरवाजे छोटे रखे जाते थे, ताकि घर ज्यादा समय तक मजबूत बना रहे।

आखिर क्यों बच्चों को चांदी के बर्तनों में खिलाने पर जोर देते थे बड़े-बुजुर्ग?

आज के समय में पैरेंट्स को अपने बच्चों के खाने-पीने को लेकर चिंता हर समय सताती रहती है। ऐसा इसलिए क्योंकि बच्चे को जो भी खिलाया जाए इसका सीधा असर उनकी फिजिकल और मेंटल हेल्थ पर पड़ता है। वैसे तो खाने-पीने की चीजों को लेकर बहुत बातें होती रहती हैं, लेकिन जब बात आती है कि बच्चों को किस तरह के बर्तन में खाने को दिया जाए, इसपर कोई जल्दी बात नहीं करता।

बैक्टीरिया से मिलती है पूरी सुरक्षा

आपको शायद यह पता न हो, लेकिन चांदी में नेचुरल एंटी-बैक्टीरियल प्रॉपर्टीज पाए जाते हैं। इसका मतलब यह है कि जब आप बच्चे को चांदी की कटोरी या प्लेट में खाना देते हैं, तो यह भोजन में किसी भी तरह के हार्मफुल बैक्टीरिया या जर्म्स को पनपने नहीं देता। इससे खाना लंबे समय तक फ्रेश रहता है और बच्चों को पेट का इन्फेक्शन या फूड पॉइजनिंग होने का खतरा बहुत कम हो जाता है।

इम्यूनिटी को मजबूत बनाने में मददगार

जब बात आती है छोटे बच्चों की, तो उनकी इम्यूनिटी बड़ों की तुलना में थोड़ी कमजोर होती है। इसी वजह से वे जल्दी-जल्दी सर्दी-खांसी या बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं। चांदी के बर्तन में जब गर्म खाना या दूध डाला जाता है, तो चांदी के बेहद बारीक और फायदेमंद पार्टिकल्स खाने में मिल जाते हैं। जब बच्चा इसे खाता है, तो ये उसकी इम्यूनिटी को बूस्ट करने में मदद करते हैं।

आज के समय में आपको मार्केट में प्लास्टिक, कांच और मेलामाइन के कई सुंदर और फैंसी बर्तन मिलते हैं, जो देखने में तो अच्छे लगते हैं, लेकिन हेल्थ के लिए उन्हें इतना सही नहीं माना जाता. अगर आपको अपने बच्चे की हेल्थ की चिंता हर समय रहती है, तो आपको उन्हें पुराने जमाने की तरह की चांदी के बर्तनों में खाना खिलाना या फिर दूध पिलाना शुरू कर देना चाहिए. सिर्फ पुराने जमाने में ही नहीं, चांदी आज के समय में भी उतना ही फायदेमंद साबित हो सकता है. चांदी सिर्फ एक कीमती मेटल नहीं है, बल्कि इसमें नेचुरल हीलिंग प्रॉपर्टीज होती हैं. तो

आज का राशिफल

मेष राशि - चंद्रमा के नवम भाव में होने से कल आपके भीतर आध्यात्मिक ज्ञान और सकारात्मकता बढ़ेगी। शुक्ल योग बनने से कल आपके इकोनॉमिक मैटर्स (आर्थिक मामलों) में बड़ा सुधार आएगा, जिससे बिजनेस में आपकी पॉजिटिव चिकिंग बनी रहेगी।

वृषभ राशि - चंद्रमा के अष्टम भाव में होने से कल खुद के वाहन से यात्रा करते समय विशेष सावधानी बरतें, गति पर नियंत्रण रखें। कल का दिन व्यापारियों और कामकाजी लोगों के लिए थोड़ा सावधानी भरा रहने वाला है; आज कई मोर्चों पर अचानक कठिन चुनौतियां आ सकती हैं, लेकिन घबराने के बजाय धैर्य से काम लें।

मिथुन राशि - चंद्रमा के सप्तम भाव में होने से कल पार्टनरशिप (साझेदारी) के बिजनेस से आपको बहुत बड़ा आर्थिक लाभ होने वाला है। शुक्ल योग बनने से कल आपके वर्कस्पेस का माहौल बेहद खुशनुमा और लाइट रहेगा, जिससे काम में आपका पूरा मन लगेगा और पेंडिंग फाइल्स तुरंत क्लियर हो जाएंगी।

कर्क राशि - चंद्रमा के छठे भाव में होने से कल आपको अपने सभी ज्ञात और अज्ञात शत्रुओं (गुप्त विरोधियों) से पूरी तरह छुटकारा मिल जाएगा। बिजनेसमैन के लिए कल का दिन काफी शानदार रहने वाला है; ग्रहों की अनुकूल स्थिति आपके पक्ष में होने से आपकी भीतरी ऊर्जा आपको मार्केट में तेजी से आगे बढ़ने की ताकत देगी।

सिंह राशि - चंद्रमा के पांचवें भाव में होने से कल माता-पिता को अपनी संतान के करियर या प्लेसमेंट से जुड़ा कोई बहुत बड़ा सुख प्राप्त हो सकता है। कल नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन बहुत शानदार है; आज ऑफिस में बॉस या मैनेजर से करियर ग्रोथ को लेकर कोई ऐसी सकारात्मक बातचीत हो सकती है जिससे आप बेहद पॉजिटिव फील करेंगे। आपकी ईमानदारी का फल प्रमोशन के रूप में मिलेगा।

कन्या राशि - चंद्रमा के चतुर्थ भाव में होने से कल भूमि-भवन, पैतृक संपत्ति या रियल एस्टेट से जुड़े मामलों में अचानक कोई बड़ा विवाद सामने आ सकता है, शांति बनाए रखें। कल घरेलू खर्चों (हाउसहोल्ड एक्सपेंसेस) में अचानक होने वाली तेजी की वजह से आपकी मानसिक टेंशन काफी बढ़ सकती है; परिवार में कोई भी बड़ा डिसीजन इमोशनल होकर बिल्कुल न लें।

तुला राशि-चंद्रमा के तीसरे भाव में होने से कल आपके साहस, पराक्रम और करेज में जबरदस्त वृद्धि होगी। शुक्ल योग के बनने से कल आपके बिजनेस में बंपर प्रॉफिट और वित्तीय लाभ के मजबूत योग बनेंगे। व्यापारियों के लिए दिन सामान्य से काफी बेहतर रहेगा; आप अपने पुराने रुके हुए कमर्शियल कार्यों को आसानी से पूरा कर सकेंगे।

वृश्चिक राशि - चंद्रमा के दूसरे भाव में होने से कल आपको पैसों के लेन-देन, निवेश और वित्तीय मामलों में विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। जो युवा लंबे समय से न्यू जॉब की तलाश में हैं या इंटरव्यू की तैयारी कर रहे हैं, वे कल अपनी कम्युनिकेशन स्किल्स को बहुत मजबूत बनाएं; कल किसी टेलीफोनिक या वीडियो कॉल इंटरव्यू में प्रभावशाली तरीके से अपनी बात रखकर आपका सिलेक्शन पक्का हो सकता है।

धनु राशि- चंद्रमा कल आपकी ही राशि में गोचर करेंगे, जिससे आपका मन पूरी तरह शांत, प्रफुल्लित और खुशनुमा रहेगा। कल कार्यस्थल पर टीम वर्क और कलेक्टिव एफर्ट्स के बल पर आपको बहुत बड़ी सफलता हाथ लगेगी, जिससे आपकी साख मजबूत होगी। नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन बेहद शुभ है; अपनी पॉजिटिव एनर्जी का वर्कप्लेस पर सदुपयोग करें।

मकर राशि - चंद्रमा के बारहवें भाव में होने से कल आपको कॉरपोरेट वर्ल्ड के नए कानूनी क्लॉज और दांव-पेंचों को गहराई से सीखने की सख्त जरूरत है। कल वर्कप्लेस पर किया गया थोड़ा सा भी आलस्य या काम के प्रति लापरवाही आपके बने-बनाए करियर पर बहुत भारी पड़ सकती है, इसलिए पूरी तरह एक्टिव रहें। जो लोग कल छुट्टी पर हैं, उन्हें भी मैनेजमेंट की तरफ से वर्क फ्रॉम होम का कोई जरूरी काम सौंपा जा सकता है।

कुंभ राशि- चंद्रमा के ग्यारहवें भाव में होने से कल आपको अपने सभी व्यावसायिक और सामाजिक कर्तव्यों को पूरी निष्ठा से निभाना चाहिए। शुक्ल योग बनने से कल आपके बिजनेस में गजब की तेजी आएगी, जिससे आपकी पुरानी सारी योजनाएं पूरी तरह सक्सेसफुल रहेंगी और आपके हाथ बंपर मुनाफा (प्रॉफिट) लगेगा।

मीन राशि- चंद्रमा के दसवें भाव में होने से कल आपको घर के बड़े-बुजुर्गों और इंडस्ट्री के सीनियर्स के आदर्शों व गाइडलाइंस पर चलना चाहिए। जो लोग लंबे समय से इंटरनल ट्रांसफर या डिपार्टमेंट चेंज करने के लिए कड़ा प्रयास कर रहे थे, कल उनके लिए मैनेजमेंट की तरफ से कोई बहुत बड़ी खुशखबरी आ सकती है; साथ ही आपको न्यू रेस्पॉन्सिविलिटीज (नई जिम्मेदारियां) सौंपी जा सकती हैं।

बाल धोते समय कहीं आप भी तो नहीं कर रहे ये गलती? हो सकता है बड़ा नुकसान

हर कोई चाहता है कि उसके बाल लंबे, घने और चमकदार दिखें. इसके लिए लोग तरह-तरह के शैंपू, सीरम और हेयर प्रोडक्ट इस्तेमाल करते हैं. लेकिन कई बार छोटी-छोटी गलतियों की वजह से बाल कमजोर होने लगते हैं. अगर आप भी बालों को हेल्दी रखना चाहते हैं, तो अपनी रोज की हेयर केयर रूटीन में कुछ आसान बदलाव करें. ये टिप्स आपके बालों को लंबे समय तक अच्छा रखने में मदद कर सकते हैं.

बाल धोने का सही तरीका अपनाएं

बालों को रोज धोने की जरूरत नहीं होती. हफ्ते में 2 से 3 बार बाल धोना काफी होता है. शैंपू लगाने से पहले बालों को अच्छी तरह गीला करें और फिर हल्के हाथों से स्कैल्प साफ करें. बाल धोने के लिए बहुत गर्म या बहुत ठंडे पानी का इस्तेमाल ना करें.

शैंपू के बाद कंडिशनर जरूर लगाएं

बाल धोने के बाद कंडिशनर लगाने से बाल मुलायम रहते हैं और आसानी से उलझते नहीं हैं. इसे सिर्फ बालों की लंबाई पर लगाएं, स्कैल्प पर नहीं. हफ्ते में एक या दो बार डीप कंडिशनिंग भी कर सकते हैं.

बाल सुखाते समय न करें ये गलती

बाल धोने के बाद उन्हें जोर-जोर से तौलिए से न रगड़ें, इससे बाल टूट सकते हैं. हमेशा मुलायम कॉटन के तौलिए से हल्के हाथों से पानी सुखाएं. अगर जल्दी न हो, तो बालों को खुद ही सूखने दें. बार-बार हेयर ड्रायर का इस्तेमाल करने से भी बाल कमजोर हो सकते हैं.

जिम या फिर योगा... दिल की सेहत के लिए क्या है बेहतर?

आजकल दिल से जुड़ी बीमारियां दुनियाभर में तेजी से बढ़ रही हैं, ऐसे में डॉक्टर नियमित रूप से एक्सरसाइज करने की सलाह देते हैं. लेकिन अक्सर लोगों के मन में यह सवाल रहता है कि दिल को हेल्दी रखने के लिए जिम बेहतर है या योगा. कुछ लोग जिम में वर्कआउट करना पसंद करते हैं तो कुछ योग को सबसे अच्छा तरीका मानते हैं.

हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि इन दोनों की तुलना करना सही नहीं है, क्योंकि दोनों ही अलग-अलग तरीके से दिल की सेहत को फायदा पहुंचाते हैं. अगर दोनों को सही तरीके से अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाया जाए तो इसका फायदा और भी ज्यादा मिलता है. ऐसे में आइए जानते हैं कि एक्सपर्ट के मुताबिक दिल की सेहत के लिए जिम और योगा में क्या बेहतर है.

जिम और योगा में क्या बेहतर है?

एक्सपर्ट के अनुसार, जिम और योगा दोनों ही दिल को हेल्दी रखने के लिए जरूरी माने जाते हैं. हालांकि, दोनों का काम करने का तरीका अलग है. एक्सपर्ट का कहना है कि किसी एक को चुनने की जगह बेहतर है कि दोनों को अपनी फिटनेस रूटीन में शामिल किया जाए.

योगा क्यों है दिल के लिए जरूरी?

योगा का फोकस शरीर को फ्लेक्सिबिल बनाने, सही तरीके से सांस लेने, संतुलन बनाए रखने और मानसिक शांति पर होता है. हालांकि योगा से कार्डियो एक्सरसाइज जितनी एरोबिक फिटनेस नहीं मिलती, लेकिन यह दिल की सेहत के लिए कई दूसरे तरीकों से फायदेमंद माना जाता है. योगा तनाव और चिंता कम करने में मदद करता है. स्ट्रेस हार्मोन को कम करने में सहायक होता है. साथ ही शरीर की फ्लेक्सिबिलिटी और पोस्चर बेहतर बनाता है और सांस लेने की क्षमता में सुधार करता है. इसके अलावा अच्छी नींद लेने में मदद करता है. विशेषज्ञों के अनुसार, तनाव भी दिल की बीमारियों का एक बड़ा कारण माना जाता है. योगा मन और नर्वस सिस्टम को शांत रखकर इस जोखिम को कम करने में मदद करता है.

जिम करने से दिल को कैसे मिलता है फायदा?

जिम में की जाने वाली एक्सरसाइज जैसे तेज चलना, जॉगिंग, साइक्लिंग, रोइंग और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग दिल की फिटनेस को बेहतर बनाने में मदद करती है. नियमित रूप से इस तरह की एक्सरसाइज करने से दिल मजबूत होता है और पूरे शरीर में खून पहुंचाने का काम बेहतर तरीके से कर पाता है. जिम वर्कआउट से दिल की कार्यक्षमता बेहतर होती है. ब्लड प्रेशर को कंट्रोल रखने में मदद मिलती है. साथ ही कोलेस्ट्रॉल को बैलेंस रखने में सही होता है. इसके अलावा वजन को कंट्रोल रखने में मदद मिलती है. हार्ट डिजीज और स्ट्रोक का खतरा कम हो सकता है. इसके साथ ही शरीर की स्टैमिना और सहनशक्ति बढ़ती है. एक्सपर्ट के अनुसार, नियमित कार्डियो एक्सरसाइज करने से दिल मजबूत होता है और उसे शरीर के सभी हिस्सों तक ऑक्सीजन वाला खून पहुंचाने के लिए कम मेहनत करनी पड़ती है.

क्या सिर्फ योगा करने से दिल हेल्दी रह सकता है?

एक्सपर्ट का कहना है कि योगा के कई शारीरिक और मानसिक फायदे जरूर हैं, लेकिन केवल योगा करने से शरीर को उतनी एरोबिक एक्टिविटी नहीं मिलती, जिससे दिल की सहनशक्ति में बड़ा सुधार हो सके. विशेषज्ञों के मुताबिक, हेल्दी लोगों को हर हफ्ते कम से कम 150 मिनट तक मीडियम स्पीड वाली एक्सरसाइज, जैसे तेज चलना, जॉगिंग या साइकिल चलाना, करनी चाहिए. साथ ही बेहतर फिटनेस और दिल की अच्छी सेहत के लिए योग के साथ दूसरी फिजिकल एक्टिविटी भी करना जरूरी माना जाता है.

दिल को हेल्दी रखने के लिए कैसी होनी चाहिए एक्सरसाइज रूटीन?

कार्डियोलॉजिस्ट का कहना है कि जिम और योगा में से किसी एक को चुनने की जरूरत नहीं है. बेहतर होगा कि दोनों को अपनी फिटनेस रूटीन का हिस्सा बनाया जाए. जिसमें एक बैलेंस फिटनेस प्लान में तेज चलना, जॉगिंग, साइक्लिंग या स्विमिंग जैसी एरोबिक एक्सरसाइज, हफ्ते में कम से कम दो दिन स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, साथ ही शरीर की रिकवरी और तनाव कम करने के लिए योगा. इसके अलावा रोजाना स्ट्रेचिंग और ब्रीदिंग एक्सरसाइज शामिल होना चाहिए. इस तरह की रूटीन दिल के साथ-साथ मांसपेशियों, शरीर की फ्लेक्सिबिलिटी और मेंटल हेल्थ को भी बेहतर बनाए रखने में मदद करती है.

एक ही जगह पर 108 प्राचीन मंदिर! गुमनामी के अंधेरे में खोई भारत की इस अनोखी धरोहर की कहानी

भारत में काशी जिसे हम वाराणसी या बनारस भी कहते हैं, मंदिरों का शहर कहा जाता है। हम बात कर रहे हैं मलूटी की जिसे गुप्त काशी के नाम से भी जाना जाता है। यह जगह झारखंड के दुमका जिले में करीब 406 हेक्टेयर में फैला हुआ गांव है।

108 मंदिरों का गांव मलूटी

मलूटी गांव भारत के इतिहास की प्राचीन धरोहर है, इस छोटे से गांव में 108 मंदिरों का होना इसे खास धार्मिक महत्व वाला बनाता है। जितने यहां मंदिर हैं उतने ही तालाब भी मलूटी में देखने को मिलते थे। इसी के चलते ग्लोबल हेरिटेज फंड ने साल 2010 में मलूटी के मंदिरों को दुनिया के 12 सबसे ज्यादा एंडेंजर्ड हेरिटेज की लिस्ट में शामिल किया था। पर समय के साथ जब इनके रखरखाव में कोताही बरती गई तो मंदिरों की संख्या घटकर 72 और तालाबों की संख्या घटकर महज 65 ही रह गई।

मलूटी 108 मंदिरों की कहानी

मलूटी में इन मंदिरों के बनने की कहानी भी बेहद दिलचस्प है। यह बात तब की है जब 1495-1525 के बीच बंगाल की रियासत सुल्तान अलाउद्दीन हुसैन शाह संभाले हुए थे। कहा जाता है कि सुल्तान ने कई बाज पाल हुए थे, जिनमें से एक पसंदीदा बाज लापता हो गया। सुल्तान ने उस बाज को ढूंढने वाले को बड़ा इनाम देने की घोषणा कर डाली। उस बाज को बसंत राय नाम व्यक्ति ने ढूंढ निकाला। सुल्तान बसंत के इस काम से इतना खुश हुआ कि उसने मलूटी और उसके आसपास के इलाके की जमींदारी बसंत के हवाले कर दी। जब यह खबर प्रजा में फैली तो बसंत को बाज राजा नाम से बुलाया जाने लगा। बसंत राय के बाद उनके वंशज राजा राखड़ चंद राय हुए, जिनकी धर्म-कर्म में खूब दिलचस्पी थी। उन्होंने ही मलूटी में पहला मंदिर 1720 में बनवाया था। इसके बाद तो बसंत राय का परिवार चार ब्रांच में बंट गया और सभी मंदिर बनवाने लगे। परिवार के सदस्यों में मंदिरों को अनूठा बनाने की जैसे होड़ सी लग गई। इस तरह मलूटी जैसे छोटे से गांव में 108 मंदिरों का निर्माण हुआ।

पेशाब में खून आना हो सकता है किडनी कैंसर का शुरुआती संकेत, कभी न करें नजरअंदाज

पेशाब में खून आना किडनी कैंसर का शुरुआती संकेत हो सकता है. समय पर जांच, सही डायग्नोसिस और इलाज से बीमारी को शुरुआती स्टेज में पकड़कर गंभीर जोखिम से बचा जा सकता है.

किडनी से जुड़ी बीमारी आज के समय आम हो गई है. इसमें से एक नाम है किडनी कैंसर, जिसको अक्सर साइलेंट बीमारी भी कहा जाता है. यह कई महीनों या सालों तक शरीर में बिना कोई लक्षण दिखाए बढ़ता रहता है. साथ ही कामकाजी लोगों को पता ही नहीं रहता कि उनके किडनी में ट्यूमर बन रहा है. जब तक इसके लक्षण साफतौर पर दिखते हैं, तब तक काफी देर हो चुकी होती है और बीमारी एडवांस स्टेज में पहुंच सकती है, जिससे इलाज करना मुश्किल हो जाता है. इसलिए डॉक्टर समय-समय पर शरीर में होने वाले छोटे-छोटे बदलावों पर ध्यान देने की सलाह देते हैं.

कोलिहापुरी की महिलाओं ने प्लास्टिक कचरे को बनाया आय का स्रोत

दुर्ग। स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और महिला सशक्तिकरण का अनूठा संगम दुर्ग जिले की ग्राम पंचायत कोलिहापुरी में देखने को मिला है। कलेक्टर अभिजीत सिंह एवं जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग कुमार दुबे के मार्गदर्शन में ग्राम पंचायत कोलिहापुरी ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में एक ऐसा मॉडल विकसित किया है, जो अब पूरे जिले के लिए प्रेरणास्रोत बन रहा है। ग्राम पंचायत की महिला स्व-सहायता समूहों की दीदियों ने घर-घर से एकत्रित किए गए 2730 किलो प्लास्टिक कचरे का वैज्ञानिक तरीके से पृथकरण कर उसे अधिकृत पुनर्चक्रण इकाई को विक्रय किया। इस पहल से समूह को कुल 46 हजार 410 रुपए की आय प्राप्त हुई। यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि यदि कचरे का सही प्रबंधन किया जाए तो वह केवल अपशिष्ट नहीं, बल्कि आय का सशक्त माध्यम भी बन सकता है। कोलिहापुरी में अपनाई गई कार्यप्रणाली त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था का उत्कृष्ट उदाहरण है। ग्राम स्तर पर महिला स्व-सहायता समूह की महिलाएं प्रतिदिन घर-घर जाकर गीला, सूखा एवं प्लास्टिक कचरे का पृथक संग्रहण करती हैं तथा ग्रामीणों को स्रोत पर ही कचरा अलग-अलग रखने के लिए जागरूक करती हैं। विकासखंड स्तर पर संग्रहित प्लास्टिक को विकासखंड दुर्ग स्थित एमआरएफ पीडब्ल्यूएमयू सेंटर में पहुंचाया जाता है, जहां उसे गुणवत्ता एवं प्रकार के आधार पर पीईटी, एचडीपीई, एलडीपीई सहित विभिन्न श्रेणियों में अलग किया जाता है। इससे प्लास्टिक का बाजार मूल्य बढ़ जाता है। विक्रय स्तर पर पृथक किए गए प्लास्टिक को अधिकृत रिसायकल इकाइयों को बेचा जाता है और प्राप्त राशि सीधे महिला समूहों के खातों में जमा की जाती है, जिससे उनकी आय और आर्थिक आत्मनिर्भरता में वृद्धि हो रही है। यह पहल स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के उद्देश्यों को साकार करने के साथ-साथ ग्रामीण महिलाओं के लिए स्थायी आजीविका के अवसर भी निर्मित कर रही है। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के अनुरूप ग्रामीणों को गीला, सूखा, घरेलू खतरनाक एवं प्लास्टिक कचरे को अलग-अलग रखने के लिए निरंतर जागरूक किया जा रहा है। प्लास्टिक कचरे की गुणवत्ता के अनुसार पृथकरण से मिलने वाले बेहतर मूल्य की जानकारी के बाद महिलाओं ने कचरे को अब 'संपदा' के रूप में देखना शुरू कर दिया है। कोलिहापुरी की सफलता से प्रेरित होकर विकासखंड धमधा की ग्राम पंचायत लिटिया तथा विकासखंड पाटन की ग्राम पंचायत पतोरा और गाड़ाडीह में भी इसी मॉडल पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन का कार्य संचालित किया जा रहा है। जिला प्रशासन का लक्ष्य आगामी समय में जिले की सभी ग्राम पंचायतों में इस मॉडल को लागू करना है। कोलिहापुरी की महिलाओं ने यह साबित कर दिया है कि स्वच्छता और आजीविका एक-दूसरे के पूरक हैं। जिला प्रशासन के निर्देशानुसार व जिला पंचायत सीईओ के मार्गदर्शन में सामुदायिक सहभागिता से कचरे को आर्थिक संसाधन में बदला जा रहा है।

सड़क, नाली एवं पुलिया निर्माण से मिलेगी नागरिकों को बेहतर सुविधाएं

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देते हुए महापौर अलका बाघमार ने आज वार्ड क्रमांक .02 राजीव नगर में आर.सी.सी. नाली व पुलिया निर्माण कार्य एवं देवेंद्र कसेर से आजाद दुर्ग चौक तक आरसी सी नाली निर्माण कार्य के अलावा वार्ड क्र.21 आशा नगर बंद गली में सी.सी. रोड निर्माण,सड़क नंबर 14 आशा नगर व सिंधिया नगर में नाली,पुलिया एवं वार्ड क्रमांक 51 दुर्गा चौक प्रगति नगर में सड़क, नाली एवं पुलिया निर्माण कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया। इस दौरान लोक कर्म प्रभारी देवनारायण चन्द्राकर, एमआईसी सदस्य शिव नायक, पार्षद विद्यावती सिंह,पार्षद साजन जोसफ, गोविंद देवांगन,रंजीता पाटिल,सावित्री दमाहे,जिला भाजपा प्रवक्ता अरुण सिंह,मनमोहन शर्मा सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे। बता दे कि वार्ड क्र.02 राजीव नगर में आर.सी.सी. नाली व पुलिया निर्माण कार्य लागत 15,25 के अलावा देवेंद्र कसेर से आजाद दुर्ग चौक तक आरसीसी नाली निर्माण कार्य लागत 10 लाख और वार्ड क्रमांक 21 नाली/पुलिया 9.92 एवं आशा नगर बन्द गली में सीसी रोड निर्माण 9.92 से होगा निर्माण कार्य के अलावा वार्ड क्र.51 मधुबन नगर ठाकुर के घर से एका के घर तक गली नं. 01 से 03 तक सीमेंट सड़क निर्माण कार्य लागत राशि रु. 8.00 लाख, बोरसी उत्तर में पंचशील सेक्टर सी. के सड़क नं. 04 नरेन्द्र वर्मा के घर से कमलेश साहू के घर तक आर.सी.सी नाली व पुलिया निर्माण लागत राशि रु. 21.25 लाख एवं वार्ड नं. 51 प्रदिप्ती नगर में 80 फिट रोड में रामटेके के घर तक रोड व नाली निर्माण कार्य लागत राशि रु.9.81 लाख का भूमि पूजन भूमिपूजन किया गया।महापौर ने भूमिपूजन के पश्चात कहा कि नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सड़क, नाली एवं पुलिया निर्माण से क्षेत्र में आवागमन सुगम होगा, जल निकासी की व्यवस्था बेहतर बनेगी तथा आम नागरिकों को लंबे समय से चली आ रही समस्याओं से राहत मिलेगी।वार्डवासियों से रूबरू हुई महापौर, समस्याओं के शीघ्र निराकरण का दिया आश्वासन भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान महापौर अलका बाघमार ने वार्डवासियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। नागरिकों ने पेयजल, साफ-सफाई, सड़क एवं अन्य जनसुविधाओं से जुड़े विषयों को उनके समक्ष रखा। महापौर ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए।उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के साथ-साथ जनसमस्याओं के निराकरण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

निगम आयुक्त ने खुर्सीपार का किया निरीक्षण सड़क बाधा एवं अतिक्रमण पर दिए कड़ा निर्देश

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन-4 खुर्सीपार क्षेत्र का निरीक्षण कर नवीन हाट बाजार, पानी टंकी, अवैध अतिक्रमण एवं अन्य व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए व्यवस्थाओं में सुधार लाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने नवीन हाट बाजार की स्थिति का अवलोकन किया और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। अतिक्रमण कर निवास करने वालों से चर्चा की गई, प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत पात्रता अनुसार आवास हेतु आवेदन करने कहा गया है।वहीं क्षेत्र में पुराने पानी टंकी का निरीक्षण कर अधिकारियों को निर्देशित किया, ताकि व्यवस्था सही की जा सके। आयुक्त ने क्षेत्र में मौजूद अवैध अतिक्रमणों का भी जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक मार्गों और स्थलों पर अतिक्रमण से आम नागरिकों को परेशानी होती है, इसलिए ऐसे मामलों में प्रभावी कार्रवाई की जाए। रोड बाधित कर निर्माण सामग्री रखने वालों पर चालानी कार्रवाई की गई, जिससे आवागमन व्यवस्थित रहे। साथ ही भवन अनुज्ञा संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत करने कहा गया है, प्रस्तुत नहीं करने की स्थिति में कार्रवाई होगी। इसके साथ ही उन्होंने अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर बेहतर बनाने के निर्देश दिए। आयुक्त ने अधिकारियों से कहा कि क्षेत्र में नियमित सफाई, कचरा संग्रहण एवं स्वच्छता संबंधी गतिविधियों पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि नागरिकों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण मिल सके। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता संजय वर्मा, सहायक अभियंता चंद्रकांत साहू, उप अभियंता बसंत साहू, सहायक राजस्व अधिकारी बालकृष्ण नायडू, जोन स्वास्थ्य अधिकारी हेमंत मांझी, राजस्व निरीक्षक विजेंद्र परिहार, स्वास्थ्य निरीक्षक अतुल यादव सहित निगम के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

ग्राम खम्हरिया में वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी परिसर के किचन शेड निर्माण का भूमिपूजन संपन्न

अम्लेश्वर। जनपद पंचायत पाटन अंतर्गत ग्राम खम्हरिया स्थित वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी परिसर में किचन शेड निर्माण कार्य के लिए विधिवत भूमिपूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र की लोकप्रिय जिलापंचायत सभापति नीलम राजेश चंद्राकर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। उनके साथ ग्राम सरपंच सोनिया थानेश्वर यदु, संसद प्रतिनिधि राजेश चंद्राकर, पूर्व जनपद सदस्य घनश्याम कौशिक, सरपंच प्रतिनिधि थानेश्वर यदु, उपसरपंच मनोज देशलहरे एवं लोधी समाज खम्हरिया के अध्यक्ष प्रकाश सिंगौर विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर अतिथियों ने विधि-विधान एवं पूजा-अर्चना के साथ किचन शेड निर्माण कार्य का भूमिपूजन कर शुभारंभ किया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने कहा कि किचन शेड के निर्माण से सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन में सुविधा मिलेगी तथा समाज और ग्रामीणों को एक बेहतर आधारभूत सुविधा उपलब्ध होगी। कार्यक्रम में पंच भारती यदु, ओंकार कौशिक, पुष्पा सिंगौर, सविता पाल, प्रमिला ठाकुर, सुरेश यदु, बल्ला सिंगौर, प्रदीप सिंगौर, राजेश सिंगौर, खिलेश सिंगौर, मोहित सिंगौर सहित बड़ी संख्या में सामाजिक एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। ग्रामीणों एवं समाज के लोगों ने किचन शेड निर्माण की पहल का स्वागत करते हुए इसे समाज हित एवं ग्राम विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ तथा अंत में अतिथियों और उपस्थित ग्रामीणों ने परिसर के विकास एवं सामाजिक एकता के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

जिले में 16 'अटल डिजिटल सुविधा केंद्र' की स्थापना के लिए 80 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति

दुर्ग। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में आम नागरिकों को डिजिटल और ऑनलाइन सेवाएं सुलभ कराने की दिशा में राज्य शासन की गौण खनिज योजना के अंतर्गत एक बड़ी पहल की गई है।कार्यालय जिला पंचायत, दुर्ग द्वारा गौण खनिज योजना वर्ष 2025-26 के अंतर्गत जिले के दुर्ग और पाटन विकासखंड के विभिन्न ग्राम पंचायतों में 16 'अटल डिजिटल सुविधा केंद्र' की स्थापना के लिए कुल 80 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, स्वीकृत किए गए सभी 16 अटल डिजिटल सुविधा केंद्रों के निर्माण व स्थापना के लिए प्रति केंद्र 5.00 लाख रुपए की राशि मंजूर की गई है। इस परियोजना के तहत दुर्ग विकासखंड में 9 केंद्रों के लिए 45 लाख रुपए और पाटन विकासखंड में 7 केंद्रों के लिए 35 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है। इन कार्यों को संपादित कराने की जिम्मेदारी संबंधित ग्राम पंचायतों को कार्यकारी एजेंसी के रूप में सौंपी गई है। जिले के दुर्ग विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत पुरई, उमरपोटी, निकुम, बोरई, थनौद, चंगोरी, भटगांव, खपरी (कुटेला भाठा) और अरसनारा में इन केंद्रों की स्थापना की जाएगी। इसी प्रकार पाटन विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत औंधी, घुघवा ज., अमलीडीह, अमेरी, तर्रा, पचपेड़ी और नारधी में इस योजना के तहत् अटल डिजीटल सुविधा केन्द्र हेतु स्वीकृति प्रदान की गई है, जिससे इन क्षेत्रों के ग्रामीणों को सीधे तौर पर लाभ मिल सकेगा।

दावा आपत्ति 03 जुलाई तक आमंत्रित

दुर्ग। एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई 02 के अंतर्गत दो नवीन स्वीकृत आंगनबाड़ी केन्द्रों में स्वीकृत कार्यकर्ता एवं सहायिका पद तथा दो पूर्व स्वीकृत केन्द्रों में रिक्त आंगनबाडी सहायिका के पदों की पूर्ति के संबंध में इच्छुक आवेदिकाओं से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किया गया था। मूल्यांकन समिति द्वारा परीक्षण उपरांत अनंतिम मूल्यांकन पत्रक नगर पालिक निगम भिलाई-चरोदा में चस्पा कर दिया गया है। आवेदिकाओं को मूल्यांकन पत्रक के संबंध में दावा आपत्ति हो तो पर्याप्त साक्ष्य/प्रमाणित दस्तावेज के सहित 03 जुलाई 2026 तक कार्यालयीन समय में नगर पालिक निगम भिलाई-चरोदा रोड मुक्ता टाकिज के पास, में दावा आपत्ति स्वीकार किए जाएंगे।

आंगनबाड़ी सहायिका हेतु 11 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

दुर्ग। एकीकृत बाल विकास परियोजना अहिवारा के अंतर्गत स्वीकृत पदों की पूर्ति हेतु 11 जुलाई 2026 तक ई-भर्ती पोर्टल https://aww.e-bharti.in/ पर आंगनबाड़ी केन्द्र क्रमांक 02, वार्ड क्रमांक -13 में आंगनबाड़ी सहायिका के लिए ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किया गया है। अधिक जानकारी के लिए एकीकृत बाल विकास परियोजना अहिवारा में कार्यालयीन समय में संपर्क कर सकते हैं।

अनुसूचित जाति वर्ग के लिए पीएम-अजय योजना के तहत स्वरोजगार हेतु आवेदन 31 जुलाई 2026 तक आमंत्रित

दुर्ग। जिले में अनुसूचित जाति वर्ग के पात्र हितग्राहियों को स्वरोजगार से जोड़ने हेतु अनुसूचित जाति वर्ग हेतु अभ्युदय (पीएम-अजय) योजना के अंतर्गत आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इस योजना के तहत जो हितग्राही अपना स्वयं का व्यवसाय स्थापित करना चाहते है, उन्हें बैंकों के माध्यम से न्यूनतम 1 लाख के ऋण की स्वीकृति पर 50 हजार या ऋण राशि का 50 प्रतिशत (जो भी कम हो) अनुदान के रूप में प्रदान किया जाएगा। जिला अंत्यावसायी सहकारी समिति मर्यादित दुर्ग से प्राप्त जानकारी अनुसार इस योजना के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के व्यवसायों जैसे किराना, मनिहारी, कपड़ा दुकान, नाई सेलून, ब्यूटी पार्लर, टेलरिंग, फैन्सी स्टोर, मोटर मैकेनिक, सायकिल मरम्मत, टीवी-रेडियो-मोबाइल रिपेयरिंग, वाईंडिंग, मुर्गीपालन, बकरी पालन, सब्जी व्यवसाय, दोनापत्तल निर्माण, अगरबत्ती व्यवसाय, लघु/कुटीर उद्योग सहित स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप अन्य व्यवसायों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने केन्द्रीय जेल दुर्ग का किया निरीक्षण

दुर्ग। मुख्यालय स्थित केन्द्रीय जेल दुर्ग का आज प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के. विनोद कुजूर द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जेल की व्यवस्थाओं, बंदियों के अधिकारों, मूलभूत सुविधाओं तथा सुधारात्मक उपायों की व्यापक समीक्षा की।

महिला प्रकोष्ठ एवं बंदियों से संवाद- प्रधान जिला न्यायाधीश ने महिला प्रकोष्ठ में निरुद्ध महिला बंदियों से सीधे संवाद कर उनके प्रकरणों की स्थिति, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं साफ-सफाई व्यवस्था की जानकारी ली। साथ ही उन्होंने सजायाफ्ता बंदियों के अपील प्रकरणों को अद्यतन रखने तथा बंदियों को उनके मामलों की वर्तमान स्थिति से नियमित रूप से अवगत कराने के निर्देश जेल अधिकारियों को दिए।

विधिक सहायता एवं परिहार संबंधी निर्देश- निरीक्षण के दौरान बंदियों को बताया गया कि जो बंदी निजी अधिवक्ता नियुक्त नहीं कर सकते, उन्हें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से निःशुल्क विधिक सहायता एवं अधिवक्ता की सुविधा प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त, जिन बंदियों को परिहार का लाभ दिया जा सकता है, उनके लंबित आवेदनों के कारणों सहित जानकारी प्राधिकरण को प्रेषित करने के निर्देश भी दिए गए।

SPRUHA योजना के अंतर्गत समीक्षा- प्रधान जिला न्यायाधीश ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA) की SPRUHA (Supporting Potential and Resilience of the Unseen, Held-back and Affected) Scheme, 2025 के अंतर्गत जेल में निरुद्ध कैदियों से संवाद स्थापित किया। इस दौरान उनके आश्रित परिवारजनों–पत्नी, बच्चों एवं वृद्ध माता-पिता–को होने वाली सामाजिक, आर्थिक एवं व्यवहारिक कठिनाइयों, आजीविका, शिक्षा, स्वास्थ्य, भरण-पोषण तथा दैनिक आवश्यकताओं से जुड़ी समस्याओं की जानकारी प्राप्त की गई।

उन्होंने निर्देश दिए कि SPRUHA योजना के अंतर्गत पात्र कैदियों एवं उनके आश्रित परिवारों की पहचान कर उन्हें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाए तथा केंद्र एवं राज्य शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जाए। साथ ही पैरालीगल वालेंटियर्स के माध्यम से आश्रित परिवारों का फील्ड स्तर पर सत्यापन कर संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए गए, ताकि उन्हें सामाजिक सुरक्षा एवं संरक्षण मिल सके।

माननीय उच्चतम न्यायालय के दिशा-निर्देशों का पालन- निरीक्षण उपरांत प्रधान जिला न्यायाधीश ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा शंकर महतो प्रकरण में प्रतिपादित सिद्धांतों एवं दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए। विशेष रूप से जेलों में मानवीय गरिमा, स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवाएं, पोषण, मानसिक स्वास्थ्य, सुरक्षा, विधिक सहायता एवं पुनर्वास व्यवस्थाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निरंतर सुधारात्मक कदम उठाए जाएं।

उपस्थित अधिकारी- निरीक्षण के दौरान भूपेश कुमार बसंत, उमेश कुमार भागवतकर, जेल अधीक्षक, महिला प्रकोष्ठ प्रभारी, [illegible] के काउंसिल तथा अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

भिलाई में भव्य भैरव बाबा मंदिर का निर्माण प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन संपन्न

भिलाई नगर। स्वर्गीय बाबूराम गहलोत एवं स्वर्गीय चंदा देवी गहलोत की स्मृति में लिंक रोड कैम्प-2? भिलाई में भैरव मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन किया गया। शुक्रवार को भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा नगर भ्रमण करते हुए वापस मंदिर प्रांगण में समाप्त हुई। प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन 22 जून से किया जा रहा है। 22 जून को मण्डप निर्माण, वेदी पूजन, अग्नि प्रकट एवं स्थापन मूर्तिजलाधिवास एवं पुष्पाधिवास का कार्यक्रम हुआ। इसके बाद 23 जून को वेदी पूजन, नित्य हवन, मूर्ति घृताधिवास एवं तैलाधिवास हुआ। 24 जून को नित्य पूजन एवं हवन, मूर्ति फलाधिवास के बाद 25 जून को नित्य पूजन एवं हवन, मूर्ति धान्याधिवास का कार्यक्रम हुआ। 26 जून को शोभायात्रा निकाली गई। 27 जून को नित्य पूजन, मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा, हवन एवं पूर्णाहुति महाआरती एवं महाभंडारा का कार्यक्रम हुआ। शोभायात्रा में चित्रा राव, लक्ष्मण गहलोत, रिंकू जैन, सुनील गहलोत, संतोष पति, पूनम गहलोत, हुकुमचंद गहलोत, ढालचंद गहलोत, शिवरतन शर्मा, लकी गहलोत, पूर्व पार्षद सविता राव, वर्तमान पार्षद विनोद, भाजपा के वरिष्ठ नेता त्रिलोचन सिंह सहित अन्य मौजूद थे। आयोजक ढालचंद गहलोत ने बताया कि बीकानेर से आमंत्रित 11 पंडितों की टीम सारे अनुष्ठान विधि-विधान के साथ पूजा अर्चना करे हैं। सैकड़ो भक्तों ने हवन में आहुति दी यज्ञाचार्य, ज्योतिषाचार्य पं. आशीष भादाणी और यज्ञ ब्रह्मा योगेश ओझा शास्त्री के सान्निध्य में प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुआ। प्रतिमा भी बीकानेर राजस्थान से लाई गई है।

रासायनिक और कीटनाशक दवाइयां का छिड़काव से अनेक बीमारियों का जन्म होता है: मंजू दीदी

भाटापारा। राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन तिलहन जिला स्तरीय तिलहन मेला सह जैविक कृषि कार्य शाला के अंतर्गत आयोजित गजानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय के नवनिर्मित सभागार में योगिक कृषि के बारे में बताते हुए ब्रह्माकुमारी मंजू दीदी। उन्होंने बताया कि आज रासायनिक और कीटनाशक दवाइयां का छिड़काव जब फसलों पर किया जाता है इससे अनेक बीमारियों का जन्म होता है साथ ही उन्होंने मेडिकल कॉलेज में हुई रिसर्च के बारे में भी बताया। योग के प्रकलप को मानव सहित प्रकृति भी ग्रहण करती है। लैबोरेट्री टेस्ट में भी पाया गया की यौगिक जैविक खेती में 14 से 15 प्रतिशत तक पोषक तत्व पाए गए है छत्तीसगढ़ के राजस्व मंत्री माननीय भ्राता टंकराम वर्मा जी एवं सदस्य प्रदेश कोर कमेटी भाजपा ,पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ भाजपा नेता भ्राता शिवरतन शर्मा जी से रेस्ट हाउस में स्नेहिल मुलाकात करते हुए ब्रह्माकुमारी मंजू दीदी ने कहा।

नगर निगम दुर्ग ने करदाताओं से समय पर टैक्स जमा करने की अपील की

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा शहर के समस्त करदाताओं को सूचित किया गया है कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए संपत्तिकर (प्रॉपर्टी टैक्स) का भुगतान 30 जून 2026 तक करने वाले करदाताओं को नियमानुसार 6 प्रतिशत की विशेष छूट प्रदान की जाएगी। निगम प्रशासन ने नागरिकों से इस सुविधा का लाभ उठाते हुए निर्धारित तिथि के पूर्व अपना कर जमा करने की अपील की है। नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि समय पर कर भुगतान से न केवल करदाताओं को आर्थिक लाभ प्राप्त होगा, बल्कि शहर में चल रहे विकास एवं जनसुविधा कार्यों के लिए आवश्यक राजस्व भी उपलब्ध होगा। निगम द्वारा नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कर भुगतान की प्रक्रिया को सरल एवं सुगम बनाया गया है, ताकि करदाता बिना किसी परेशानी के अपना कर जमा कर सकें। नागरिक नगर निगम कार्यालय में उपस्थित होकर नकद (कैश) के माध्यम से कर जमा कर सकते हैं। इसके अलावा यूपीआई ([illegible]), एनईएफटी ([illegible]), आरटीजीएस ([illegible]) सहित विभिन्न डिजिटल माध्यमों से भी भुगतान की सुविधा उपलब्ध है। करदाता घर बैठे ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से भी अपना संपत्तिकर जमा कर सकते हैं। नगर निगम दुर्ग ने सभी करदाताओं से आग्रह किया है कि वे अंतिम दिनों की भीड़ से बचने के लिए 30 जून 2026 से पूर्व अपना संपत्तिकर जमा करें तथा 6 प्रतिशत छूट का लाभ प्राप्त करें। निगम प्रशासन ने कहा है कि समय पर कर भुगतान शहर के विकास में नागरिकों की महत्वपूर्ण भागीदारी को भी दर्शाता है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड- 490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com